हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, रविवार, 3 अगस्त, 2025

9 स्पेशल गिरदावरी और क्षतिपूर्ति पोर्टल खोलने की प्रक्रिया शुरू

10 स्कूलों के बाहर पुलिस गश्त होगी तेज, एसपी ने दिए निर्देश

खबर संक्षेप

हेरोइन तस्करी मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। नशा मुक्ति अभियान के तहत जाखल पुलिस ने हेरोइन तस्करी के मामले में दो आरोपियों को काबू किया है। मुख्य आरोपी की पहचान मिठू शर्मा पुत्र पुरुषोत्तम निवासी वार्ड नंबर 8, लहरा घग्गा, जिला संगरूर (पंजाब) के रूप में हुई है। थाना प्रभारी उप-निरीक्षक कुलदीप ने बताया कि पुलिस टीम चौकी म्योन्द पुल के समीप नाकाबंदी कर रही थी। इसी दौरान कार्रवाई की गई।

अवैध शराब सहित एक युवक को किया गिरफ्तार

फतेहाबाद। अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रतिया पुलिस ने महमड़ा क्षेत्र से 15 बोतल अवैध देसी शराब सहित एक आरोपी को काबू किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान गुरचरण सिंह उर्फ चन्नी पुत्र दर्शन सिंह निवासी महमड़ा के रूप में हुई है। थाना सदर रतिया के प्रभारी निरीक्षक बिजेंद्र हुड्डा ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस टीम द्वारा चौकी महमड़ा के सामने नाकाबंदी कर लाइट वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान कार्रवाई की गई।

तीन साल पुराने फरार आरोपी को दबोचा

फतेहाबाद। सीआईए फतेहाबाद ने तीन साल पुराने एनडीपीएस एक्ट के गंभीर मामले में एक फरार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अशोक कुमार पुत्र मधु राम उर्फ माधा राम निवासी हरिदासोटा जिला जोधपुर, राजस्थान के रूप में हुई है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त जारी

जिले के 81,984 किसानों को दी 18.7 करोड़ की आर्थिक सहायता

योजना के तहत तीन किस्तों में प्रति वर्ष छह हजार रुपये किसानो के खाते में कराए जाते है जमा

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

फतेहाबाद। पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत जिला स्तरीय कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारी। *फोटो: हरिभूमि*

देश के किसानों की आर्थिक सुदृढ़ता और उनकी आय में निरंतर वृद्धि के उद्देश्य से संचालित की गई प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को योजना की 20वीं किस्त जारी की। इस अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र, ढाणी बिकानेरी में भी किया गया, जिसे बड़ी संख्या में किसानों ने उत्साहपूर्वक देखा और सुना। जिला स्तरीय कार्यक्रम में एसडीएम राजेश कुमार ने बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। एसडीएम राजेश कुमार ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की सराहना करते हुए कहा कि यह योजना देश के करोड़ों किसानों के लिए एक मजबूत आर्थिक सहारा बन चुकी है। फतेहाबाद जिले के 81,984 किसानों को इस योजना की 20वीं किस्त के अंतर्गत लगभग 18.7 करोड़ रुपये की राशि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में ट्रांसफर की गई है।

एसडीएम ने बताया कि जिला के किसानों को बीस किस्त जारी हुई है जिसके तहत कुल 16 लाख 50 हजार 513 किसानों को अब तक 331.69 करोड़ रुपए की राशि उनके बैंक खातों में भेजी जा चुकी है। उन्होंने बताया कि यह योजना 1 फरवरी 2019 को शुरू हुई थी। इस योजना के तहत तीन किश्तों में प्रति वर्ष छह हजार रुपये किसानो के खाते में जमा कराए जाते हैं। एसडीएम राजेश कुमार ने कहा कि यह योजना किसानों को कृषि कार्यों के लिए आवश्यक संसाधन जुटाने में मदद करती है और इससे उत्पादन बढाने में किसानों को मदद मिलती हैं।

उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार किसानों की भलाई के लिए निरंतर काम कर रही हैं। किसान योजनाओं का लाभ उठाये और सशक्त बनें।

अगली किस्तों के लिए ई-केवाईसी करवाएं

कार्यक्रम में कृषि विभाग उपनिदेशक डॉ राजेश सिहाग ने योजना के लाभ, पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और शिकायत निवारण तंत्र पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि वे योजना की अगली किस्तों के लिए समय पर ई-केवाईसी और भूमि रिकॉर्ड का सत्यापन अवश्य करवाएं, ताकि उन्हें इस योजना का लाभ लगातार मिलता रहे।

व्यापारी का विश्वासपात्र नौकर 4.80 लाख नकदी लेकर फरार

- पुलिस ने यूपी और आगरा पुलिस से गिरफ्तारी में मांगा सहयोग

हरिभूमि न्यूज ⏭भूना

भूना। दुकान पर चोरी के बाद मौके पर जांच करती हुई पुलिस टीम।

सब्जी मंडी भूना में होलसेल फल व्यापारी की दुकान पर कार्यरत अति विश्वसनीय नौकर मालिक की गैरमौजूदगी का फायदा उठाकर 4 लाख 80 हजार रुपये की नकदी उड़ाकर फरार हो गया। घटना के बाद पुलिस ने तत्काल हरकत में आते हुए उत्तर प्रदेश के कन्नौज और आगरा पुलिस से संपर्क साधा तथा आरोपी की गिरफ्तारी में सहयोग मांगा है। थाना प्रभारी ओमप्रकाश बिश्नोई ने शिकायत मिलते ही टीम सहित मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। सीआईए फतेहाबाद के सब-इंस्पेक्टर बलजीत सिंह ढाका के नेतृत्व में टीम ने भी अलग-अलग पहलुओं से जांच शुरू की।

बंदरों के उत्पात से मिलेगी राहत

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

- नगरपरिषद ने बंदर पकड़ने के लिए जारी किया टेंडर

बंदरों के आतंक से परेशान शहरवासियों को एक बार इनसे निजात मिलने की उम्मीद जगी है। नगरपरिषद ने शहर में बंदरों को पकडने के लिए एक बार फिर से अभियान शुरू करने का फैसला लिया है। इसके लिए नगर परिषद प्रशासन की ओर से एजेंसियों और फर्मों से टेंडर मांगे गए हैं। टेंडर लेने वाली एजेंसी को शहर से बंदर पकड़ कर यमुनानगर जिले स्थित कलेसर के जंगलों में छोडक़र आना होगा। बता दें कि, नगर परिषद प्रशासन ने कुछ समय पहले भी बंदर पकड़वाए थे। मगर अब फिर से शहर में बंदरों की तादाद बढ़ रही है। इनसे आम जन को नुकसान की आशंका रहती है। इसलिए नगर परिषद प्रशासन ने समय रहते ही टेंडर लगा दिया है। बता दें कि 'हरिभूमि' ने 29 जुलाई के अंक में 'शहर में खुंखार बंदरों का आतंक' शीर्षक नाम से शहरवासियों की इस समस्या को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। इसके बाद हरकत में आए नगरपरिषद प्रशासन ने अब बंदरों को पकडने के लिए टेंडर जारी करने की घोषणा की है। नगर परिषद प्रशासन ने टेंडर लेने वाली एजेंसी के लिए कई शर्तें भी निर्धारित की है। इसके तहत बंदरों को पकडने के लिए ठेकेदार को वाहन तथा पिंजरों का खुद प्रबंध करना होगा। बंदरों को पकड़ते समय जीपीएस लोकेशन के साथ फोटोग्राफी व वीडियोग्राफी करनी होगी। जिसकी डेली रिपोर्ट नगर परिषद कार्यालय में देनी होगी।

शिकायतों का 24 घंटे में करना होगा निपटान

बंदर पकडने के लिए भारतीय पशु कल्याण बोर्ड से मान्यता प्राप्त एजेंसी को ही टेंडर मिलेगा। शहर में बंदरों से संबंधित शिकायत का 24 घंटे में निपटान करना होगा। यानी किसी जगह से बंदर होने की शिकायत आई तो वहां 24 घंटे में बंदर पकडने एजेंसी को पहुंचना होगा। बता दें कि शहर में बंदरों के हमले की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। बंदरों के आतंक से शहरवासी दहशत में है। पिछले दिनों बंदरों ने एमएम कॉलेज के पूर्व प्राध्यापक एलआर भ्याना पर भी हमला कर उन्हें जख्मी कर दिया था। इसके बाद से शहर से बंदरों को पकड़ने की एक बार फिर मांग उठने लगी थी।

हेरोइन तस्करी में मुख्य सप्लायर दबोचा

- नशा मुक्ति अभियान के तहत पुलिस की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭रतिया

पुलिस गिरफ्त में हेरोइन तस्करी मामले में पकड़ा गया मुख्य सप्लायर।

नशा मुक्ति अभियान के तहत रतिया शहर पुलिस ने हेरोइन तस्करी के एक मामले में मुख्य सप्लायर एवं आदतन अपराधी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान टोनी कुमार पुत्र राधे श्याम, निवासी वार्ड नंबर 14, रतिया के रूप में हुई है। गौरतलब है कि उक्त मामले में पुलिस पहले ही दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। टोनी कुमार के आपराधिक रिकॉर्ड की समीक्षा में सामने आया कि उसके खिलाफ थाना शहर एवं सदर रतिया में संगीन धाराओं के तहत कुल 5 आपराधिक मामले दर्ज हैं।

सूचना के आधार पर की कार्रवाई

थाना प्रभारी उप-निरीक्षक रणजीत सिंह ने बताया कि क्राइम गश्त के दौरान पुलिस टीम को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि दो युवक केटी कॉलेज रोड के पास सुखचैन नहर के निकट बाइक पर सवार होकर नशीले पदार्थों की तस्करी की फिराक में हैं। सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी और दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान दोनों ने अपनी पहचान सोनी उर्फ रघु पुत्र बूटा सिंह, निवासी दादी जाखन, खोखर ढाणी, रतिया, एवं नीतीश पुत्र नीरू कुमार, निवासी अरोड़ा कॉलोनी, काली माता मंदिर के पास, रतिया के रूप में बताई। नियमानुसार तलाशी लेने पर उनके कब्जे से 9.43 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। इस मामले में थाना शहर रतिया में एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। जांच को आगे बढ़ाते हुए मुख्य सप्लायर टोनी कुमार की पहचान की गई और उसे भी गिरफ्तार कर लिया गया।

अवैध हथियार व कारतूस सहित आरोपी काबू

- गाड़ी से पंप एक्शन बंदूक 12 बोर, अवैध पिस्तौल 315 बोर व 165 कारतूस बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭रानियां

सिरसा। अवैध हथियारों के साथ पकड़ा गए आरोपी पुलिस गिरफ्त में।

पुलिस ने क्षेत्र से कार सवार एक युवक को अवैध हथियारों के जखीरे के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कार से पंप एक्शन बंदूक 12 बोर, अवैध पिस्तौल 315 बोर व 165 कारतूस (जिंदा व खाली) बरामद किए हैं। सीआईए प्रभारी ऐलनाबाद धर्मवीर सिंह ने शनिवार को बताया कि पकड़े गए आरोपी की पहचान सौरभ निवासी खारियां के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ रानियां थाना में मामला दर्ज किया गया है।

रोड पर बड़े-बड़े गड्ढों से ग्रामीण परेशान

रतिया। उप मंडल के गांव रतनगढ़ से पिलछिया रोड को जाने वाले रोड की खस्ता हालत के कारण रतनगढ़, मिराना, खलियाला सहित आधा दर्जन गांवों के ग्रामीण काफी परेशान है। बड़े-बड़े गड्ढों के कारण वाहन चालक भी दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं जिससे गांव वासियों में विभाग के प्रति भारी रोष पाया जा रहा है। गांववासी परमपाल, लीलाराम, सतपाल व अन्य लोगों ने बताया कि रतनगढ़ से पिलछिया जाने वाले रोड की हालत पिछले काफी समय से खस्ता हो गई है और इस रोड पर बड़े-बड़े गड्ढे भी पड़ गए हैं। इसके बारे में लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को कई बार शिकायत भी दर्ज करवाई गई है लेकिन फिर भी सडक का सुधार नहीं हो पा रहा।

फतेहाबाद जिला पुस्तकालय में हिंदी साहित्य की दुर्दशा, बोरियों में बंद सांस्कृतिक चेतना

- पुस्तकालय बचाओ संघर्ष समिति ने जताई चिंता

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

पुस्तकालय बचाओ संघर्ष समिति ने फतेहाबाद जिला पुस्तकालय में हिंदी साहित्य की दुर्दशा पर गहरी चिंता जताई है। संघर्ष समिति के वरिष्ठ सदस्य एवं नागरिक अधिकार मंच के संयोजक राजीव सेतिया का कहना है कि जब कोई राष्ट्र अपने साहित्य से मुंह मोड़ लेता है, तो वह केवल किताबें नहीं खोता, वह अपनी आत्मा खो देता है। आज फतेहाबाद जिला पुस्तकालय उस भयावह स्थिति में पहुंच चुका है, जहां न केवल पुस्तकें उपेक्षित हैं, बल्कि समूची सांस्कृतिक चेतना बोरी में बंद पड़ी है। यह वही पुस्तकालय है जिसे ज्ञान, साहित्य और लोक संस्कृति के संरक्षण का केंद्र बनना था। परंतु हकीकत यह है कि आज वहां प्रेमचंद, शेक्सपियर, महादेवी वर्मा, नागार्जुन, सुमित्रानंदन पंत जैसे मूर्धन्य साहित्यकार बोरियों में धूल फांक रहे हैं। ये केवल किताबें नहीं, हमारी सभ्यता, संघर्ष और संवेदनाओं की जीवित धरोहर हैं।

पुस्तकों को व्यवस्थित करने की मांग

राजीव सेतिया ने कहा कि जिला पुस्तकालय को पहले एक जर्जर भवन में रखा गया, फिर बस स्टैंड के कोलाहल में धकेला गया। पाठकों के विरोध के बाद इसे बाल भवन की एक संकरी जगह में अस्थायी रूप से ठूंसा गया। लेकिन अब आलम यह है कि पुस्तकें, जो समाज की बौद्धिक पूंजी हैं, फिर से बस स्टैंड स्थित एक बंद कमरे में बोरियों में भरकर समेट दी गई हैं। यह मात्र प्रशासनिक लापरवाही नहीं, संस्कृति का अपमान है। बोरियों में सिर्फ हिंदी के महान साहित्यकार ही नहीं हैं, बल्कि हरियाणवी, ब्रज, अवधी, मैथिली, राजस्थानी जैसी लोक भाषाओं की अमूल्य पुस्तकें भी बंद हैं। ये भाषाएं भारत की विविधता और सांस्कृतिक गहराई का प्रमाण हैं। इनकी उपेक्षा, हमारी जड़ों को ही काटने के समान है। राजीव सेतिया ने कहा कि नागरिक अधिकार मंच ने पुस्तकालय की दुर्दशा के खिलाफ शुरुआत से ही हर स्तर पर आवाज उठाई है, प्रशासनिक ज्ञापनों से लेकर धरना-प्रदर्शन तक। मंच की स्पष्ट मांग है कि बोरियों में बंद सभी पुस्तकें शीघ्र निकाली जाएं और व्यवस्थित की जाएं। हिंदी साहित्य खंड की स्थापना हो, जिसमें क्षेत्रीय बोलियों को भी उचित स्थान मिले। फतेहाबाद जिला पुस्तकालय को एक पूर्ण सुविधाओं वाला स्थायी भवन मिले, जिसमें अध्ययन, शोध और साहित्यिक विमर्श के लिए अनुकूल वातावरण हो।

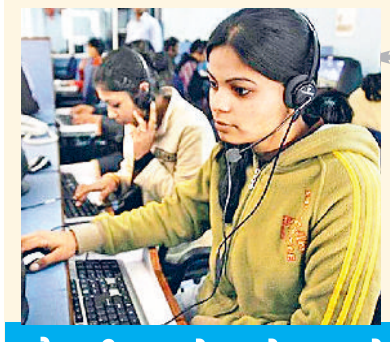

नौकरी करने वाले न करें ये फाइनेंशियल गलतियां वर्ना पड़ सकता है पछताना

सुझाव | बिजनेस डेस्क

नौकरीपेशा लोगों के लिए वित्तीय स्थिरता हासिल करना महत्वपूर्ण होता है। लेकिन अनजाने में की गई कुछ सामान्य गलतियां, बचत और भविष्य की योजनाओं को प्रभावित कर सकती हैं। सैलरी बढ़ने के साथ खर्च बढ़ाना, क्रेडिट कार्ड का गलत इस्तेमाल, बचत और निवेश को नजरअंदाज करना, इमरजेंसी फंड की कमी, और बजट न बनाना जैसी गलतियां आगे चलकर वित्तीय संकट का कारण बन सकती हैं। इन गलतियों से बचकर आप अपने वित्तीय लक्ष्यों को आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। आइए इन पांच वित्तीय गलतियों और उनसे बचने के तरीकों के बारे में जानते हैं।

सैलरी बढ़ने पर खर्च बढ़ाना

सैलरी बढ़ते ही लोग अक्सर अपने खर्चों को भी बढ़ा लेते हैं, जिसे 'लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन' कहा जाता है। महंगे गैजेट्स, लग्जरी आइटम्स या बार-बार बाहर खाने जैसे फालतू खर्चे आपकी बचत को खत्म कर सकते हैं। इसका समाधान यह है कि अपनी बढ़ी हुई सैलरी का कम से कम 50 फीसद हिस्सा बचत या निवेश में लगाएं। उदाहरण के लिए, अगर आपकी सैलरी में 10,000 रुपये की वृद्धि होती है, तो कम से कम 5,000 रुपये को बचत खाते, म्यूचुअल फंड या अन्य निवेश विकल्पों में डालें।

क्रेडिट कार्ड का गलत इस्तेमाल

सैलरी बढ़ने के साथ कई लोग क्रेडिट कार्ड ले लेते हैं और हर छोटी-बड़ी खरीदारी के लिए इसका उपयोग शुरू कर देते हैं। क्रेडिट कार्ड के चार्जेस, लेट फी, और ब्याज दरों की जानकारी न होने पर यह वित्तीय बोझ बन सकता है। क्रेडिट कार्ड का उपयोग सीमित और सोच-समझकर करें। बिल समय पर चुकाएं और अनावश्यक खरीदारी से बचें। हमेशा अपने क्रेडिट कार्ड की शर्तों, जैसे वार्षिक शुल्क और ब्याज दर, को समझ लें ताकि आप अतिरिक्त खर्चों से बच सकें।

बचत को नजरअंदाज करना

कई लोग सोचते हैं कि बचत और निवेश 30-35 साल की उम्र में शुरू करना चाहिए, लेकिन यह एक बड़ी गलती है। पहली नौकरी से ही अपनी सैलरी का 20-30 फीसद हिस्सा बचत और निवेश में लगाना शुरू करें। उदाहरण के लिए, सिप (एसआईपी) के माध्यम से म्यूचुअल फंड में छोटी राशि से निवेश शुरू करें, जो लंबे समय में चक्रवृद्धि ब्याज के साथ बढ़ेगा। जल्दी शुरू करने से आपके पास रिटायरमेंट या बड़े वित्तीय लक्ष्यों के लिए पर्याप्त धन जमा हो सकता है।

हेल्थ इंश्योरेंस की अनदेखी

इमरजेंसी फंड और हेल्थ इंश्योरेंस को टालना वित्तीय सुरक्षा के लिए खतरनाक हो सकता है। अप्रत्याशित खर्चों, जैसे मेडिकल इमरजेंसी या नौकरी छूटने की स्थिति, के लिए कम से कम 6 महीने का इमरजेंसी फंड जरूरी है। उदाहरण के लिए, अगर आपका मासिक खर्च 50,000 रुपये है, तो 3 लाख रुपये का फंड बनाएं। इसके अलावा, एक अच्छा हेल्थ इंश्योरेंस प्लान लें, जो अस्पताल के खर्चों को कवर करे और आपकी बचत को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण मददगार साबित होगा।

बजट न बनाना

अगर आपको यह नहीं पता कि आपकी सैलरी कहां खर्च हो रही है, तो पैसा जल्दी खत्म हो सकता है। बिना बजट बनाए खर्च करना वित्तीय अनुशासन को तोड़ता है। बजट बनाकर अपने खर्चों को श्रेणियों में बांटें, जैसे किराया, किराना, बचत, और मनोरंजन। उदाहरण के लिए, 50-30-20 नियम का पालन करें। सैलरी का 50 फीसद जरूरी खर्चों पर, 30 फीसद इच्छाओं की पूर्ति करने पर और 20 फीसद बचत व निवेश के लिए आवंटित किया जाना चाहिए। बजट बनाने से आप अनावश्यक खर्चों को कम कर सकते हैं और अपने वित्तीय लक्ष्यों की ओर बढ़ सकते हैं।

वित्तीय अनुशासन का महत्व

इन गलतियों से बचने के लिए वित्तीय अनुशासन अपनाना जरूरी है। नियमित रूप से अपनी आय और खर्चों की समीक्षा करें, और अपने वित्तीय लक्ष्य निर्धारित करें, जैसे घर खरीदना या रिटायरमेंट प्लानिंग। छोटे-छोटे कदम, जैसे ऑटोमेटेड बचत खाता या एसआईपी , लंबे समय में बड़ा बदलाव ला सकते हैं। अगर आप निवेश के विकल्पों को समझने में नए हैं, तो वित्तीय सलाहकार की मदद लेना फायदेमंद हो सकता है।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

25 से 35% की दर से दे रहे हैं रिटर्न, इनकी रेटिंग भी हाई, अगर किसी एमएफ की स्कीम की टॉप रेटिंग है, तो फंड बेहतर विकल्प

निवेश के लिए सबसे सस्ते म्यूचुअल फंड, दिला सकते हैं बढ़िया रिटर्न

स्कीम का एक्सपेंस रेश्यो कम है तो आपके निवेश की लागत कम होगी

म्यूचुअल फंड में निवेश करते समय जिन बातों का खास तौर पर ध्यान रखना चाहिए, उनमें उनका एक्सपेंस रेश्यो और रेटिंग भी है। किसी म्यूचुअल फंड स्कीम का एक्सपेंस रेश्यो कम होने का मतलब है कि आपके निवेश की लागत कम होगी। वहीं, म्यूचुअल फंड स्कीम का ट्रैक रिकॉर्ड और निवेश की रणनीति के आधार पर उसकी रेटिंग बनती है। अगर ये दोनों बातें पॉजिटिव हैं, यानी एक्सपेंस रेश्यो बहुत कम है और साथ में फंड को टॉप रेटिंग मिली है, तो इसका मतलब है कि वह फंड बेहतर विकल्प बन सकता है। अगर इसके बाद भी उनके प्रदर्शन को लेकर आशंका है तो हमने ऐसे 7 इक्विटी स्कीम की जानकारी दी है, जिनका एक्सपेंस रेश्यो कम है, रेटिंग मजबूत है और उन्होंने 5 साल की अवधि में हाई रिटर्न भी दिया है। चाहे लम्प सम हो या एसआईपी। आप भी इन पर विचार कर सकते हैं।

बंधन स्मॉल कैप फंड

बंधन स्मॉलकैप फंड का एक्सपेंस रेश्यो 0.39 फीसदी है और इसे वैल्यू रिसर्च पर 5 स्टार की मजबूत रेटिंग मिली है। फंड ने 5 साल में लम्प सम पर 37.47 फीसदी सालाना और 5 साल की एसआईपी में 33.96 फीसदी सालाना रिटर्न दिया है।

- एक्सपेंस रेश्यो : 0.39%
- रेटिंग : 5 स्टार
- 5 साल का लम्प सम रिटर्न : 37.47% सालाना
- 5 साल का एसआईपी रिटर्न : 33.96% सालाना
- कुल एसेट्स : 12,982 करोड़ रुपये (30 जून, 2025)
- मिनिमम लम्प सम : 1,000 रुपये
- मिनिमम एसआईपी : 100 रुपये

एडलवाइस स्मॉल कैप फंड

एडेलवाइस स्मॉलकैप फंड का एक्सपेंस रेश्यो 0.42 फीसदी है और इसे वैल्यू रिसर्च पर 4 स्टार की मजबूत रेटिंग मिली है। फंड ने 5 साल में लम्प सम पर 35.10 फीसदी सालाना और 5 साल की एसआईपी में 29.52 फीसदी सालाना रिटर्न दिया है।

- एक्सपेंस रेश्यो : 0.42%
- रेटिंग : 4 स्टार
- 5 साल का लम्प सम रिटर्न : 35.10% सालाना
- 5 साल का एसआईपी रिटर्न : 29.52% सालाना
- कुल एसेट्स : 4,930 करोड़ रुपये (30 जून, 2025)
- मिनिमम लम्प सम : 100 रुपये
- मिनिमम एसआईपी : 100 रुपये

एडेलवाइस फ्लेक्सी कैप फंड

एडेलवाइस फ्लेक्सी कैप फंड का एक्सपेंस रेश्यो 0.43 फीसदी है। इसे वैल्यू रिसर्च पर 4 स्टार की मजबूत रेटिंग मिली है। फंड ने 5 साल में लम्प सम पर 24.54 फीसदी सालाना और 5 साल की एसआईपी में 21.89 फीसदी सालाना रिटर्न दिया है।

- एक्सपेंस रेश्यो : 0.43%
- रेटिंग : 4 स्टार
- 5 साल का लम्प सम रिटर्न : 24.54% सालाना
- 5 साल का एसआईपी रिटर्न : 21.89% सालाना
- कुल एसेट्स : 2,802 करोड़ रुपये (30 जून, 2025)
- मिनिमम लम्प सम : 100 रुपये
- मिनिमम एसआईपी : 100 रुपये

इन्वेस्को इंडिया स्मॉलकैप फंड

इन्वेस्को इंडिया स्मॉलकैप फंड का एक्सपेंस रेश्यो 0.44 फीसदी है और इसे वैल्यू रिसर्च पर 5 स्टार की मजबूत रेटिंग मिली है। फंड ने 5 साल में लम्प सम पर 35.01 फीसदी सालाना और 5 साल की एसआईपी में 31.47 फीसदी सालाना रिटर्न दिया है।

- एक्सपेंस रेश्यो : 0.44%
- रेटिंग : 5 स्टार
- 5 साल का लम्प सम रिटर्न : 35.01% सालाना
- 5 साल का एसआईपी रिटर्न : 31.47% सालाना
- कुल एसेट्स : 7,425 करोड़ रुपये (30 जून, 2025)
- मिनिमम लम्प सम : 1,000 रुपये
- मिनिमम एसआईपी : 500 रुपये

केनरा रोबेको लार्जकैप फंड

केनरा रोबेको लार्जकैप फंड का एक्सपेंस रेश्यो 0.45 फीसदी है और इसे वैल्यू रिसर्च पर 4 स्टार की मजबूत रेटिंग मिली है। फंड ने 5 साल में लम्प सम पर 20.44 फीसदी सालाना और 5 साल की एसआईपी में 18.27 फीसदी सालाना रिटर्न दिया है।

- एक्सपेंस रेश्यो : 0.45%
- रेटिंग : 4 स्टार
- 5 साल का लम्प सम रिटर्न : 20.44% सालाना
- 5 साल का एसआईपी रिटर्न : 18.27% सालाना
- कुल एसेट्स : 16,617 करोड़ रुपये (30 जून, 2025)
- मिनिमम लम्प सम : 5,000 रुपये
- मिनिमम एसआईपी : 100 रुपये

जेएम फ्लेक्सी कैप फंड

जेएम फ्लेक्सी कैप फंड का एक्सपेंस रेश्यो 0.49 फीसदी है और इसे वैल्यू रिसर्च पर 4 स्टार की मजबूत रेटिंग मिली है। फंड ने 5 साल में लम्प सम पर 27.12 फीसदी सालाना और 5 साल की एसआईपी में 24.78 फीसदी सालाना रिटर्न दिया है।

- एक्सपेंस रेश्यो : 0.49%
- रेटिंग : 4 स्टार
- 5 साल का लम्प सम रिटर्न : 27.12% सालाना
- 5 साल का एसआईपी रिटर्न : 24.78% सालाना
- कुल एसेट्स : 6,144 करोड़ रुपये (30 जून, 2025)
- मिनिमम लम्प सम : 1,000 रुपये
- मिनिमम एसआईपी : 100 रुपये

एलआईसी म्यूचुअल फंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड

एलआईसी म्यूचुअल फंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड का एक्सपेंस रेश्यो 0.50 फीसदी है और इसे वैल्यू रिसर्च पर 4 स्टार की मजबूत रेटिंग मिली है. फंड ने 5 साल में लम्प सम पर 33.78 फीसदी सालाना और 5 साल की एसआईपी में 32.20 फीसदी सालाना रिटर्न दिया है।

- एक्सपेंस रेश्यो : 0.50%
- रेटिंग : 4 स्टार
- 5 साल का लम्प सम रिटर्न : 33.78% सालाना
- 5 साल का एसआईपी रिटर्न : 32.20% सालाना
- कुल एसेट्स : 1,053 करोड़ रुपये (30 जून, 2025)
- मिनिमम लम्प सम : 5,000 रुपये
- मिनिमम एसआईपी : 200 रुपये

किसी भी तरह के भूराजनीतिक तनाव के बीच सोना डिमांड में रहेगा

6 साल में 200% उछला सोना, अगले 5 वर्ष में सवा 2 लाख रु. का हो सकता है 10 ग्राम!

सर्राफा | बिजनेस डेस्क

1 सेफ एसेट के तौर पर जाना जाता है सोना, हर कोई करता है निवेश

"अगले पांच साल में सोने की कीमतें सवा दो लाख रुपये प्रति 10 ग्राम तक जा सकती हैं। गोल्ड बाजार के जानकारों का कहना कि सोना से सबसे लोकप्रिय और सुरक्षित निवेश के तौर पर जाना जाता है। चाहे परिस्थितियां कैसी भी हों सोने ने हमेशा से ही अच्छा और सुरक्षित रिटर्न दिया है। इस तेजी में मुख्य रूप से कोविड-19 महामारी, बेहद ज्यादा ढीली मौद्रिक नीतियों, भू-राजनीतिक तनाव और वित्तीय बाजार में अनिश्चितता का हाथ रहा। 2025 में सोने ने एमसीएक्स पर अपना रिकॉर्ड हाई 1,01,078 रुपये प्रति 10 ग्राम देखा।

एक रिपोर्ट के मुताबिक देश में सोने की कीमत पिछले 6 साल में 200 प्रतिशत तक बढ़ी हैं। मई 2019 में सोना 30,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था, लेकिन जून 2025 तक कीमत बढ़कर करीब 1,00,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से अधिक हो गई। इस साल की बात करें तो सोने की कीमतों ने 2025 में निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का भाव 30 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ा है। पिछले 6 साल पर नजर डालें तो एमसीएक्स पर सोने का भाव मई 2019 में लगभग 32,000 प्रति 10 ग्राम था। यह अब बढ़कर लगभग 97,800 प्रति 10 ग्राम हो गया है, यानि कि 200 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि।

अगले पांच साल में सोने की कीमतें सवा दो लाख रुपये प्रति 10 ग्राम तक जा सकती हैं। गोल्ड बाजार के जानकारों का कहना कि सोना से सबसे लोकप्रिय और सुरक्षित निवेश के तौर पर जाना जाता है। चाहे परिस्थितियां कैसी भी हों सोने ने हमेशा से ही अच्छा और सुरक्षित रिटर्न दिया है। इस तेजी में मुख्य रूप से कोविड-19 महामारी, बेहद ज्यादा ढीली मौद्रिक नीतियों, भू-राजनीतिक तनाव और वित्तीय बाजार में अनिश्चितता का हाथ रहा। 2025 में सोने ने एमसीएक्स पर अपना रिकॉर्ड हाई 1,01,078 रुपये प्रति 10 ग्राम देखा। लॉन्ग टर्म में संरचनात्मक रूप से ऊंची कीमतों के लिए माहौल अभी भी सपोर्टिव बना हुआ है। पोर्टफोलियो डायवर्सिफिकेशन में सोने का अहम रोल बरकरार है और आगे भी रहेगा। सोने के भविष्य की बात करें तो किसी भी तरह के भूराजनीतिक तनाव के बीच सेफ एसेट के तौर पर सोना डिमांड में रहेगा। साथ ही इसकी मांग के नए रास्ते भी खुल रहे हैं। जैसे कि कहा जा रहा है कि चीन बीमा क्षेत्र में कथित तौर पर अपने एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) का 1% सोने में लगा रहा है।

5 साल में कहां होगी कीमत

एक रिपोर्ट के मुताबिक, एक एक्सपर्ट का कहना है कि अगले 5 साल के दौरान सोने की कीमतों में शानदार तेजी जारी रह सकती है। भू-राजनीतिक तनाव और ट्रेड वॉर के चलते सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की मांग बनी रहने की उम्मीद है। पिछले 5 वर्षों में भारतीय बाजार में सोने का भाव 18% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ा। अगर यही रफ्तार जारी रही तो आगे के 5 सालों के दौरान सोने की कीमतें 2,25,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकती हैं।

कंसोलिडेशन का अनुमान

वहीं दूसरी ओर एक एजेंसी की गोल्ड स्ट्रैटेजी रिपोर्ट में कहा है कि सोने की कीमतें अब कंसोलिडेशन फेज यानि ठहराव के दौर में जा सकती हैं। आगे तेजी के लिए किसी बड़े और नए ट्रिगर की जरूरत होगी। अब ज्यादा स्पष्टता का इंतजार करना चाहिए या किसी निर्णायक ट्रिगर का, जो गोल्ड की कीमतों को फिर से पुश करे। इस बीच गोल्ड में कंसोलिडेशन यानी ठहराव का दौर रहेगा। रिपोर्ट में तेजी थमने के पीछे कई अहम कारण बताए गए हैं। जैसे कि इजराइल-ईरान और रूस-यूक्रेन के बीच भूराजनीतिक संघर्ष का असर हल्का पड़ना, टैरिफ वॉर में कमी, ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें टलना, केंद्रीय बैंकों की ओर से धीमी खरीदारी और गोल्ड की कीमतें काफी समय से ऊंचे स्तर पर होना।

स्टॉक मार्केट ऊंचाई पर हो तो बंद नहीं करें एसआईपी, संयम बरतें

बिजनेस डेस्क

जब शेयर बाजार नई ऊंचाइयों पर पहुंचता है, तो कई निवेशकों के मन में सवाल आता है कि क्या अब सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) रोक देना चाहिए? उन्हें लगता है कि ऊंचे स्तर पर निवेश करने से रिटर्न कम मिल सकता है या घाटा हो सकता है। हालांकि, इन्वेस्टमेंट एक्सपर्ट की राय इसके ठीक उलट है। उनका कहना है कि ऐसा सोचना निवेश की मूल रणनीति के खिलाफ है और इससे लंबे समय में नुकसान हो सकता है। इसलिए जब बाजार ऊंचाइयों पर हो तो निवेशकों को संयम बरतना चाहिए। इससे वे लान्ग टर्म में अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं और अपने पैसे को बढ़ा सकते हैं। ऐसे समय में निवेशकों को थोड़ा स्मार्ट और चूजी बन जाना चाहिए ताकि, आने वाले समय में परेशानी न हो। इसलिए निवेश बंद न करें और इंतजार करें। बाजार में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं।

एसआईपीऔर डिप-बायिंग को साथ चलाना समझदारी

जानकारों का कहना है कि एसआईपी को रोकने की बजाय उसे जारी रखना चाहिए और अगर आपके पास अतिरिक्त रकम है, तो बाजार में गिरावट के दौरान उसमें लंबी अवधि के नजरिए से निवेश करना बेहतर रहता है। उनके मुताबिक, मासिक बचत एसआईपी के जरिए होनी चाहिए और अगर बाजार गिरता है, तो उसमें अतिरिक्त निवेश किया जा सकता है। इससे लॉन्ग टर्म में फायदा मिलता है। हालांकि, बाजार कब गिरेगा, इसका अंदाजा लगाना आसान नहीं है। डिप्स को पहचानना मुश्किल होता है, इसलिए निवेशकों के लिए बेहतर रणनीति यह हो सकती है कि वो लंप सम राशि को एसआईपी और डिप-बायिंग दोनों के लिए अलग-अलग हिस्सों में निवेश करें।

2025 में अब तक 1.12 करोड़ एसआईपी बंद

एएमएफआई (एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया) के आंकड़ों के मुताबिक, 2025 की शुरुआत से लेकर अब तक करीब 1.12 करोड़ एसआईपी अकाउंट बंद हो चुके हैं। इसका मतलब है कि बहुत से निवेशकों ने बाजार की ऊंचाई देखकर अपनी एसआईपी रोक दी है और बाजार गिरने पर दोबारा शुरू करने की सोच रहे हैं। एसआईपी को रोकना गलत कदम है। उनके मुताबिक, जब बाजार ऊंचा होता है, तो एसआईपी रोकना सही लग सकता है। लेकिन ये कदम फाइनेंशियल गोल्स को नुकसान पहुंचा सकता है। एसआईपी का फायदा यही है कि ये आपको समय पर और बिना भावनाओं के निवेश करने में मदद करता है। भारतीय बाजार ने पिछले 10 सालों में कई बार नई ऊंचाइयां देखी हैं और हर बार वह और ऊपर गया है। अगर लोग हर बार एसआईपी रोकते, तो वे बड़े फायदे से चूक जाते।

उलटी सोच हो सकती है एसआईपी रोकना

एसआईपी को रोकने के फैसले को 'काउंटरइंट्यूटिव' यानी आम समझ के खिलाफ मानते हैं। उनका कहना है कि इतिहास यही बताता है कि जो निवेशक लगातार निवेश करते हैं, वो ज्यादा फायदा कमाते हैं। बार-बार एग्जिट और एंट्री करने से फायदा नहीं होता। वो कहती हैं, एसआईपी का मकसद ये है कि आपकी हर महीने की बचत बाजार में लगती रहे। अगर इसे नियमित और अनुशासित तरीके से किया जाए तो कंपाउंडिंग का फायदा मिलता है। लेकिन कई बार लोग बाजार के मूवमेंट को देखकर एसआईपी बदलने लगते हैं, जो सही नहीं है।

इंस्टाग्राम रील वाली फाइनेंशियल प्लानिंग के साइड इफेक्ट गहरे

सतर्कता | बिजनेस डेस्क

इंस्टाग्राम पर दिखने वाले फाइनेंशियल रूल्स सुनने में आसान और रोचक जरूर हैं

हमेशा पैटर्न यानी ढर्रे पर काम करना बेहद अच्छा होता है चाहे वह वह जिंदगी से जुड़ा हो, काम हो या पैसे से जुड़ा मामला। शायद इसी वजह से कुछ खास नियम हमेशा याद रखने चाहिए। वैसे हम सभी के साथ ऐसा होता है। पहला पैसा से जुड़ा नियम जो तुरंत समझ आया, वह नियम है 72 का नियम। यह बहुत ही सीधा और सरल होता है। आप 72 को उस ब्याज दर से भाग देते हैं जो आपको निवेश पर मिल रही है, और जो संख्या आएगी, वह बताएगी कि आपके पैसे को दोगुना होने में कितने साल लगेंगे। उदाहरण के लिए, अगर आपका निवेश 15 प्रतिशत रिटर्न दे रहा है, तो आपका पैसा लगभग 5 साल में दोगुना हो जाएगा। सीधा है ना? यही कारण है कि यह नियम हमेशा जेहन में रहता है। लेकिन आपको पता है, पिछले 3 से 4 सालों में बहुत सारे ऐसे नियम ऐसे आएं है जो चौकाने वाले हैं। जैसे रील्स, इन्फोग्राफिक्स, न्यूज़लेटर में लेकिन उनमें से एक भी मेरे दिमाग में टिक नहीं पाया जैसे रूल ऑफ 72 था। सच कहें तो बहुत सारे नंबर और फॉर्मूले सामने आ गए हैं।

इंस्टाग्राम फाइनेंस

जानकारों का कहना है कि शायद यही कारण था कि 2016 के आसपास जब इंस्टाग्राम फाइनेंस की शुरुआत हुई, तो वह बहुत तरोताजा और नया लगा। तब लोग ऐसे मनी टिप्स शेयर कर रहे थे जो सरल और अपनाने लायक लगते थे। मुझे आज भी याद है मैंने सोचा था 'ये नियम तो वाकई समझ में आते हैं।' इंटरनेट सस्ता और तेज हो गया था। क्रिएटर्स की रचनात्मकता के कारण फाइनेंस अब आम लोगों तक पहुंचने लगा था। 2019 से 2021 के बीच कुछ फाइनेंस क्रिएटर्स के साथ काम किया और उनके लिए ऐसे स्क्रिप्ट्स भी लिखे जो पर्सनल फाइनेंस को आसान और समझने लायक बनाते थे। कुछ पोस्ट वायरल भी हुए। कुछ टिप्स काफी स्मार्ट लगे। लेकिन फिर धीरे-धीरे मुझे एक बात खटकने लगी। ये सब दिखने में तो बहुत प्रैक्टिकल थे, लेकिन असल जिंदगी में ये ज़्यादातर काम नहीं करते थे।

नियम चले सोशल मीडिया पर, ज़िंदगी में नहीं

सोशल मीडिया पर फाइनेंस की बातें एक संरचना देती हैं। लोगों को लगता है कि एक निश्चित तरीका है, जिससे सब ठीक हो जाएगा। पैसे को लेकर लोग अस्थिरता और चिंता रखते हैं। तो जब कोई कहता है इस एक नियम को फॉलो करो और कंट्रोल आप के हाथ में हो जाएगा, तो यह तुरंत राहत देता है। यह मानसिक रूप से उस स्थिति से जुड़ता है, जिसे साइकोलॉजी में कॉग्निटिव क्लोजर कहते हैं। यह उस मनोवैज्ञानिक झुकाव को दर्शाता है, जिसमें हमारा दिमाग स्पष्ट उत्तर से बेहतर महसूस करता है, भले ही वह उत्तर बहुत सरलीकृत ही क्यों न हो। एक और विचार है नियंत्रण का भ्रम सिर्फ इक नियम फॉलो करने से जैसे किसी विशेष प्रतिशत बचाना या केवल एक तय खर्च श्रेणी के भीतर रहना, लोग सोचते हैं कि वे जीवन पर नियंत्रण कर रहे हैं। यह एहसास, चाहे अस्थायी ही सही, सील अनुभूति देता है। लगता है आप सही दिशा की ओर बढ़ रहे हैं।

बुनियादी सच भूल रहे नियम

आपके खर्च हर महीने साफसुथरे प्रतिशत की तरह व्यवस्थित नहीं होते। आपकी आमदनी एक समय स्थिर हो सकती है और फिर बदल सकती है। परिवार की जिम्मेदारी आ सकती है। किराया बढ़ सकता है। कोई स्वास्थ्य समस्या रुकावट ला सकती है। या कभी-कभी आपको बस ब्रेक की जरूरत हो सकती है। 500 प्रतिदिन बचाएं या 503020 वाला बजट विभाजन जैसे नियम इन बदलावों के लिए जगह नहीं छोड़ते। ये ऐसे बनाए गए हैं मानो जीवन एक सीधी रेखा हो। एक और विचार है जिसे अक्सर सोचा जाता है। मोरल लाइसेंसिंग कभी व्यक्ति एसआईपी ऑटोमेट करने का नियम फॉलो करता है या कुछ हफ्तों तक बजट में रहता है, और फिर वही अच्छा महसूस करना उसे कहीं और ढील देने का बहाना दे देता है। यह मैं अच्छा कर रहा था, अब थोड़ा आराम का चक्र बनाता है। नियम समय-समय पर फिर से शुरू करने वाला जैसे ट्रेडमिल बन जाता है। ऐंकरिंग नामक एक असर होता है जहां कोई संख्या जैसे 30% या 500 एक मानक बन जाती है। यदि आप उस मानक पर नहीं ठहर पाते, तो ऐसा लगता है जैसे आप असफल हो गए हैं। भले आपके फैसले पूरी तरह से उपयुक्त हों, फिर भी आपको लगता है कि आप कुछ गलत कर रहे हैं। यह लगातार तनाव जोड़ता है और व्यक्ति वैध निर्णयों पर ही शक करने लगता है।

क्या मदद कर सकता है

मेरे विचार में ज़्यादातर लोगों को एक और नया नियम नहीं चाहिए। इससे ज़्यादा मदद करती है कुछ आसान सवाल पूछना, जो आपकी ज़िंदगी की असल हालत को ध्यान में रखते हैं। मुझे हर महीने कितना चाहिए ताकि मैं स्थिर महसूस कर सकूं? इसमें किराया, बिल, राशन आदि शामिल हैं। जो बैंक बैलेंस देखते समय चुप्पी में आने वाले घबराहट को रोकते हैं। यह संख्या जानने से आपकी चिंता थोड़ी कम होगी, पूरी समस्या हल नहीं होती लेकिन राहत जरूर मिलती है। मैं अभी किस समस्या का हल ढूंढ़ रहा हूं। कुछ महीने आप बचत करना चाहते हैं, कुछ महीने घर की देखभाल करनी पड़ सकती है, कुछ महीने सिर्फ शांति की जरूरत होती है। आपकी पैसे की आदतें आपके जीवन के पड़ावों के अनुसार बदल सकती हैं और इसमें कोई गलत नहीं है। मैं क्या ऑटोमेट कर सकता हूं, बिना घबराए? चाहे 2,000 की एसआईपी हो या खर्च देखने के लिए हफ्ते में एक रिमाइंडर एक ऐसी चीज चुनें जो एक लय बनाने में मदद करे। जरूरी नहीं कि सब कुछ 500/दिन जैसा सख्त हो यह कोई जिम की मेंबरशिप नहीं है जिसे आप अगले हफ्ते भूल जाएं। सच्चाई यह है कि छोटे और लगातार प्रयास बेहतर काम करते हैं, बजाय पूर्णता और तनाव के। पैसा हो या जीवन, अभी कहानी बाकी है (जैसा एसआरके ने कहा था 'ओम शांतिओम' में) और आप ही तय करेंगे कि अगला दृश्य कैसा होगा।

खबर संक्षेप

दुर्गा मंदिर में लगाया मासिक भंडारा

सिरसा। श्री दुर्गा अष्टमी के अवसर पर पुरानी अनाज मंडी, ओढ़ा में स्थित दुर्गा मंदिर में श्री दुर्गा भजन मंडल ओढ़ा द्वारा गांववासियों के सहयोग से मासिक भंडारा लगाया गया। इस दौरान रानी गर्ग और किरण खुराना की देखरेख में श्री दुर्गा नारी मंडल की महिलाओं ने रोटी बनाने और बर्तन साफ करने की सेवा की। भंडारे में श्री दुर्गा भजन मंडल के प्रधान जसपाल तगड़, छोटू राम शर्मा, पवन गर्ग, बजरंग गर्ग, रामलाल गर्ग, हरि राम गोयल, विनोद गोयल, मनमोहन गोयल, राकेश गोयल, गुरतेज आरेवाला आदि का सहयोग रहा।

गाड़ी चोरी मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

रानियां। पुलिस ने संपति विरुद्ध अपराधों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान आरोपी गुरचरण सिंह पुत्र इंद्र सिंह निवासी वार्ड नंबर-14 रानियां हाल निवासी हैफड़ कॉलोनी गोविंदपुरा को गिरफ्तार किया है। रानियां थाना प्रभारी दिनेश कुमार ने बताया कि आरोपी के खिलाफ 25 फरवरी 2024 को सुरेंद्र खान पुत्र सादिक खान निवासी गांव खारिया की शिकायत पर गाड़ी चोरी का मामला दर्ज हुआ था।

चिकित्सकों की समस्याओं पर विस्तार से की चर्चा

सिरसा। श्री युवक साहित्य सदन में आयुर्वेदिक अनुभवी चिकित्सक समाज समिति की मासिक बैठक हुई, जिसमें जिलेभर से सैकड़ों आरएमपी ने भाग लिया। बैठक में संगठन के आगामी कार्यक्रमों, चिकित्सकों की समस्याओं और सरकारी नीतियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। प्रदेशाध्यक्ष राजपाल वर्मा ने विशेष रूप से शिरकत करते हुए कहा कि आरएमपी चिकित्सक ग्रामीण व निम्नवर्गीय लोगों के लिए प्राथमिक चिकित्सा व उचित मार्गदर्शन देने में किसी फरिश्ते से कम नहीं हैं।

जेजेपी ने की कलेक्टर रेट बढ़ाने की निंदा

सिरसा। जननायक जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष अशोक वर्मा ने सरकार द्वारा कलेक्टर रेट बढ़ाए जाने के निर्णय की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि नए रेट लागू होने से आमजन की आर्थिक तौर पर कमर टूट गई है। अशोक वर्मा ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि इस निर्णय ने सभी आमजन को परेशानी में डाल दिया है और अब लोगों के लिए घर खरीदने का सपना केवल सपना ही रह गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा की प्रदेश सरकार रोज जनविरोधी फैसले लेकर आमजन को परेशान कर रही है।

जेसीडी विद्यापीठ में किया पौधरोपण

सिरसा। जेसीडी विद्यापीठ में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर अर्जुन चौटाला ने कहा कि पौधारोपण केवल एक सांकेतिक क्रिया नहीं है, यह हमारे आने वाले कल को सुरक्षित करने का संकल्प है। हर नागरिक को कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसकी देखभाल करनी चाहिए। यह प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंनें कहा कि पौधारोपणआने वाली पीढ़ियों के लिए जीवनदायिनी वातावरण सुनिश्चित करने का संकल्प है।

गुजवि में छात्र इंडक्शन कार्यक्रम कल से

हिसार। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालयमें नवप्रवेशित बीटेक प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन प्रोग्राम 2025 का आयोजन चार अगस्त से होगा। यह कार्यक्रम तीन सप्ताह तक चलेगा। विश्वविद्यालय के प्रो. अंजन कुमार बराल ने बताया कि यह इंडक्शन प्रोग्राम विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों, शैक्षणिक ढांचे एवं उपलब्ध संसाधनों से परिचित कराने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य यह है कि छात्र कैंपस के वातावरण में आसानी से ढल सकें और यहां की सुविधाओं का अधिकतम उपयोग कर सकें।

विधायक भरत सिंह बैनीवाल ने प्रभावित गांवों का किया दौरा

स्पेशल गिरदावरी और क्षतिपूर्ति पोर्टल खोलने की प्रक्रिया शुरू

जलभराव के कारण नरमा, कपास, ग्वार, मूंगफली, मूंग और बाजरे जैसी खरीफ फसलें हुई बर्बाद

- विधायक बैनीवाल ने सीएम सैनी को पत्र लिखकर प्रभावित किसानों को 35,000 रुपये प्रति एकड़ का मुआवजा देने की मांग की

हरिभूमि न्यूज ⏭|चोपटा

सिरसा। बरसाती पानी से प्रभावित फसलों का जायजा लेते विधायक भरत सिंह।

चोपटा क्षेत्र में बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। क्षेत्र के सेमग्रस्त गांवों में जलभराव के कारण नरमा, कपास, ग्वार, मूंगफली, मूंग और बाजरे जैसी खरीफ फसलें बर्बाद होने लगी हैं। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए ऐलनाबाद के विधायक भरत सिंह बैनीवाल ने मुख्यमंत्री के नाम पत्र लिखा है। वहीं उपायुक्त ने स्पेशल गिरदावरी और क्षतिपूर्ति पोर्टल खोलने के आदेश जारी किए हैं। उपायुक्त द्वारा तहसीलदार नाथूसरी चोपटा और ऐलनाबाद को पत्र भेजकर जलभराव वाले गांवों की फसलों का गांव वार आकलन कर विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है। साथ ही, स्पेशल गिरदावरी कराकर पोर्टल पर क्षतिपूर्ति के लिए डेटा अपलोड करने और किसानों को मुआवजा दिलवाने की प्रक्रिया भी शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं।

उपायुक्त कार्यालय को विधायक बैनीवाल का पत्र 1 अगस्त को प्राप्त हुआ था, जिसमें बारिश से हुए फसल नुकसान का ब्यौरा, ग्रामीण स्तर पर गिरदावरी की मांग और किसानों को मुआवजा देने की अपील की गई थी।

10 से अधिक गांवों में फसलें जलमग्न

लगातार हो रही बारिश से नाथूसरी चोपटा खंड के करीब 10 गांवों में 2608 एकड़ से अधिक कृषि भूमि जलभराव की चपेट में आ चुकी है। कृषि विभाग के अनुसार, इनमें से 1110 एकड़ में 50 से 75 प्रतिशत तक फसल खराब हो चुकी है, जबकि 1500 एकड़ भूमि पर 100 प्रतिशत फसल नष्ट हो गई है। प्रभावित गांवों में चाहर वाला, तरकांवाली, शाहपुरिया, शक्कर मंदोरी, गंजा रुपाणा, रुपाणा बिश्नोईयां, माखोसरानी, नाथूसरी कला, हजीरा, लुदेसर, रुपाणा खुर्द, रायपुर आदि प्रमुख हैं।

विधायक भरत सिंह बैनीवाल ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र लिखकर प्रभावित किसानों को 35,000 रुपये प्रति एकड़ का मुआवजा देने की मांग की है। उन्होंने शनिवार को स्वयं क्षेत्र के प्रभावित गांवों का दौरा किया और शक्कर मंदोरी, शाहपुरिया, रुपाणा, माखोसरानी सहित कई गांवों के खेतों में जाकर स्थिति का जायजा लिया। गांव के किसान वीरेंद्र कासनिया, संदीप कुमार, प्रदीप कुमार, सुभाष चंद्र, मनीष, विनोद, राजेंद्र, प्रवीण कुमार आदि ने विधायक से अपनी स्थिति साझा की। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ दिनों से लगातार बारिश के कारण उनके खेतों में पानी भर गया है। नरमा, कपास, ग्वार, मूंगफली, मूंग और बाजरे की फसलें पूरी तरह सूखने लगी हैं और अब वे नष्ट होने के कगार पर हैं। किसानों ने बताया कि एक एकड़ पर उन्होंने 8000 से 10,000 रुपये तक की लागत पहले ही लगा दी है, लेकिन अब उत्पादन पूरी तरह से शून्य हो सकता है। अगर जल्द मुआवजा नहीं मिला तो उनकी आर्थिक स्थिति और भी खराब हो जाएगी।

सिरसा। बीके बिंदु उपस्थितजनों को संबोधित करती। फोटो : हरिभूमि

प्रेम व स्नेह का पवित्र त्योहार है रक्षा बंधनः बीके बिंदु

हरिभूमि न्यूज ⏭|सिरसा

ब्रह्माकुमारी आनंद सरोवर में रक्षा बंधन पर्व के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय आनंद सरोवर की संचालिका बहन बिंदु ने बताया कि राखी का त्यौहार वास्तव में भाई-बहन के प्रेम और संबंधों को मजबूत बनाने का एक अवसर है। इस त्यौहार के माध्यम से भाई-बहन के बीच के बंधन को और भी मजबूत किया जाता है, और उनके रिश्ते में प्रेम और स्नेह की भावना को बढ़ावा दिया जाता है। उन्होंने बताया कि राखी का त्यौहार हमें यह सिखाता है कि संबंधों में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं, लेकिन हमें अपने रिश्तों को मजबूत बनाने और एक-दूसरे के प्रति प्रेम और स्नेह की भावना को बढ़ावा देने का अवसर प्रदान करता है।

सरकार का उद्देश्य, हर पात्र व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे : शर्मा

- प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के सिरसा में किसानों को 22.70 करोड़ राशि की जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭|सिरसा

सिरसा। पंचायत भवन में पीएम मोदी का कार्यक्रम देखते भाजपा कार्यकर्ता।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना के तहत शनिवार को किसानों को 20वीं किस्त जारी की गई। स्थानीय पंचायत भवन में प्रधानमंत्री किसान उत्सव दिवस के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी, उत्तरप्रदेश से पात्र लाभार्थियों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त जारी की, इस कार्यक्रम का यहां लाइव टेलीकास्ट किया गया। इस मौके पर भाजपा डबवाली की जिलाध्यक्ष रेणू शर्मा ने कहा कि आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में एक बन चुका है। केंद्र सरकार का मुख्य उद्देश्य है कि देश के हर पात्र नागरिक तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे। इस दिशा में सरकार पूरी पारदर्शिता और प्रतिबद्धता के साथ निरंतर काम कर रही है। आज शिक्षा, रोजगार, चिकित्सा, औद्योगिक विकास जैसे क्षेत्रों में भी ऐतिहासिक कदम उठाए जा रहे हैं। आने वाले समय में और भी कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से हर पात्र लाभार्थी को और सशक्त करने का कार्य जारी रहेगा। भाजपा के प्रदेश सचिव सुरेंद्र आर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना ने किसानों को समय पर आर्थिक सहायता प्रदान कर उन्हें खेती-बाड़ी से जुड़ी मूलभूत जरूरतों को पूरा करने में सहयोग दिया है। जिला परिषद के सीईओ डॉ. सुभाष चंद्र ने बताया कि प्रधानमंत्रीने वाराणसी में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की 20वीं किस्त जारी की है। इस योजना के तहत पात्र किसान को हर चार महीने में तीन समान किस्तों में 6000 रुपए प्रतिवर्ष, सीधे लाभार्थियों के खाते में भेजा जाता है। जिला सिरसा में अब तक 137425 किसान इस योजना के तहत पंजीकृत है। इस योजना के तहत जिला सिरसा में अब तक 19 किस्तों में कुल 434.07 करोड़ रुपए की राशि सीधे किसानों के खातों में भेजी जा चुकी है। आज 20वीं किस्त के तहत जिला सिरसा में 22.70 करोड़ रुपए की राशि जारी की गई है। उप निदेशक कृषि डॉ. सुखदेव सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना 24 फरवरी 2019 को लागू की गई थी। यह योजना एक सेंट्रल सैक्टर स्कीम है, जिसे किसानों को आर्थिक सहायता पहुंचाने के उद्देश्य से लागू किया गया था।

रॉयल फेमिली ने संस्था को किया सम्मानित

सिरसा। जिला के गांव नथोर के प्राचीन धरोहर कुएं को नया जीवन देने वाली एक्सपर्ट स्किल डेवलपमेंट संस्था के निदेशक विनीत छाबड़ा को रॉयल फेमिली द्वारा सम्मानित किया गया। अविनाश फुटेला ने बताया कि संस्था के अथक प्रयासों से नथोर गांव का ऐतिहासिक कुआं पुनः जीवंत होकर भूजल संरक्षण में अतिमहत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह पहल न केवल जल संरक्षण का प्रतीक है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा भी है। हम एक्सपर्ट संस्था के निदेशक विनीत छाबड़ा के समर्पण और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को दिल से सलाम करते हैं। उन्होंने यह साबित कर दिया कि यदि संकल्प मजबूत हो तो बदलाव संभव है। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि हम सब मिलकर इस मिशन को आगे बढ़ाएं और जल संरक्षण को अपनी प्राथमिकता बनाएं। क्योंकि जल है तो कल है, भूजल है तो भविष्य है।

न्यूज डायरी

इस वर्ष 24 सेवा कार्य करेगी लायंस क्लब हार्मनीः जॉली

सिरसा। लायंस क्लब हार्मनी के पदाधिकारियों की एक बैठक क्लब के प्रधान पवनदीप सिंह जॉली की अध्यक्षता में हुई। सचिव सुनील बहल ने बताया कि बीती जुलाई माह में सेवा कार्य के दो प्रोजेक्ट चलाए गए, जिसमें बीती 17 जुलाई को क्लब प्रधान पवनदीप सिंह के जन्मदिन के उपलक्ष में विशाल लंगर एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया तथा बीती 27 जुलाई को गौरव मेहता के जन्मदिन पर पौधारोपण किया गया। प्रधान पवनदीप जॉली ने कहा कि सेवा कार्यों के लिए ही क्लब का गठन किया गया है और इस वर्ष क्लब द्वारा 24 सेवा कार्य प्रोजेक्ट लगाए जाएंगे।

राजकीय महिला कॉलेज में आरंभ हुई कक्षाएं

सिरसा। राजकीय महिला महाविद्यालय, सिरसा में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं की नियमित रूप से शुरुआत हो चुकी है। सभी कक्षाएं पूर्ण रूप से सुचारू ढंग से संचालित की जा रही हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सज्जन सेलवाल ने विभिन्न विभागों में औचक निरीक्षण कर कक्षाओं का जायजा लिया। उन्होंने कक्षा संचालन की गुणवत्ता, शिक्षकों की उपस्थिति तथा विद्यार्थियों की भागीदारी की सराहना की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि छात्राओं को सभी मूलभूत सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं और महाविद्यालय परिसर में एक शैक्षणिक व अनुशासित वातावरण बना रहे।

एसडीएम ने शहर की समस्याओं पर लिया संज्ञान

कालांवाली। बरसात के बाद शहर में पैदा हुई सड़कों के धंसने व उखड़ने की समस्या और पानी निकासी की समस्या को लेकर कालांवाली के एसडीएम मोहित कुमार ने कड़ा संज्ञान लिया है। एसडीएम मोहित कुमार ने उक्त समस्या पर संज्ञान लेते हुए उपमंडल स्तर के अधिकारियों व कर्मचारियों की पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। जोकि शहर में टूटी व धंसी सडकों व पानी निकासी की समस्या की जांच कर उचित समाधान करवाएगी। शहर में हुई बरसात ने नगरपालिका कालांवाली प्रशासन की पोल खोलकर रख दी थी। शहर में हाल में ही बनाई गई लाखों रुपयों की सडकें जगह-जगह से टूटकर बिखर गई थी। इन सडकों में शहर की मुख्य सड़कें ही नहीं बल्कि गलियों में बनाई गई सड़कें भी कई जगह से नीचे धंस गई थी।

शिविर में 100 से अधिक ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

ऐलनाबाद। शहर की ममेरा रोड बाईपास पर स्थित भाईचारा लक्कड़मंडी एसोसिएशन की ओर से शनिवार कोरक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ भाजपा के वरिष्ठ नेता अमीरचंद मेहता, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष रविकुमार लढा व एसोसिएशन के प्रधान राजेन्द्र सिंह सिद्धू ने किया। श्री शिवशक्ति ब्लड बैंक सिरसा के सहयोग से आयोजित इस शिविर में डॉ आरएम अरोड़ा व डॉ अनिल जैन के नेतृत्व में उनकी टीम ने अपनी सेवाएं दी। शिविर में 100 से अधिक रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया।

रूपावास स्कूल की लड़कियों ने लहराया परचम

चोपटा। खंड नाथूसरी चौपटा में लड़कियों की खंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता राजकीय माध्यमिक विद्यालय कैरांवाली में आयोजित की गई। खेल प्रतियोगिता के दौरान आयोजित विभिन्न खेल प्रतिस्पर्धाओं में पीएमश्री रावमा विद्यालय रूपावास की लड़कियों ने फिर से परचम लहराया है और अब चयनित खिलाड़ी जिला स्तर पर अपना दमखम दिखाएंगे। अंडर-17 आयु वर्ग में 5000 मीटर दौड़ में नवीता प्रथम स्थान पर रही। 3000 मीटर दौड़ में दीपिका दूसरे स्थान पर रही। 1500 मीटर दौड़ में नवीता प्रथम और दीपिका दूसरे स्थान पर रही। 800 मीटर दौड़ में धनवंती प्रथम व ललिता दूसरे स्थान पर रही। 400 मीटर दौड़ में धनवंती ने तीसरा स्थान हासिल किया। अंडर-19 आयु वर्ग में 3000 मीटर दौड़ में अलका दूसरे व दीक्षा तीसरे स्थान पर रही। अंडर-14 आयु वर्ग में 600 मीटर दौड़ में आरजू प्रथम व रवीना दूसरे स्थान पर रही।

प्रतियोगिता में ओवरऑल चैंपियन रहा सर छोटूराम जाट सी.सै. स्कूल

- खंड स्तरीय खेल प्रतियोगिता में किया शानदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭|रानियां

गांव महमदपुरियां स्थित सर छोटू राम जाट सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने खंड स्तरीय खेल प्रतियोगिता में अपनी उत्कृष्ट खेल प्रतिभा का परिचय देते हुए ओवरऑल चैंपियनका खिताब अपने नाम किया। लड़कियों के शानदार प्रदर्शन के बादए लड़कों ने भी खो-खो में तीन स्वर्ण पदक जीतकर स्कूल की जीत को और भव्य बना दिया। तीन दिवसीय इस खेल महोत्सव में स्कूल की अंडर-11, 14 और 19 बालक टीमों ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। अंडर-19 टीम ने सेमीफाइनल में कुस्सर को हराया और फाइनल में ओटू पर जीत दर्ज कर स्वर्ण पदक हासिल किया। अंडर-14 टीम ने सुल्तानपुरिया को पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया और वहां भी ओटू की टीम को हराकर खिताब अपने नाम किया। अंडर-11 टीम ने बणी की टीम को शिकस्त देकर श्रेणी विजेता बनते हुए स्वर्ण पदक जीता। इस शानदार प्रदर्शन से लड़कों ने स्कूल की खो.खो टीम को पूरे खंड में अव्वल साबित कर दिया। खो-खो के अलावा स्कूल के खिलाड़ियों ने कबड्डी और कुश्ती में भी उम्दा खेल का प्रदर्शन किया।

इफेक्टिव क्लासरूम ऑब्जर्वेशन शिक्षण अधिगम प्रक्रिया की कड़ीः डॉ. न्योल

सिरसा। डाइट डिंग में पांच दिवसीय इफेक्टिव क्लासरूम ऑब्जर्वेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शनिवार को संपन्न हो गया। डाइट प्रवक्ता डॉ. विनोद भट्ट ने बताया कि इस कार्यक्रम में लीडरशिप फॉर इक्विटी ऑर्गेनाइजेशन से अब्दुल बासित ने एससीई आरटी हरियाणा की तरफ से बतौर आब्जर्वर कार्यक्रम का अवलोकन किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में एससीईआरटी हरियाणाए गुरुग्राम से प्रशिक्षित प्रशिक्षकों ने एबीआरसी एवं बीआरपी को प्रशिक्षण दिया। समापन समारोह में डाइट सीएमडीई विंग के अध्यक्ष डॉ. सतबीर न्योल ने कहा कि इफेक्टिव क्लासरूम ऑब्जर्वेशन शिक्षण एवं अधिगम प्रक्रिया के बीच में एक कड़ी का काम करती है। यह ट्रेनिंग शिक्षकों को उनके शिक्षण कौशल में सुधार करते हुए विद्यार्थियों के लिए एक बेहतर शिक्षण वातावरण बनाने में कारागार सिद्ध होगी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में संजय कुमार, सोनू सुखीजा, अनीता छाबड़ा, कामिनी नागपाल, बलविंदर एवं एबीआरसी विजय कुमार ने बतौर प्रशिक्षक कार्यक्रम में प्रशिक्षण दिया, वहीं शंकर शर्मा, सविता, पवन कुमार, दीक्षा, सविता एवं राधेश्याम ने बतौर सहायक प्रशिक्षक की भूमिका निभाई। इस मौके पर सीपी शर्मा, डॉ. राजेश खुराना, दलीप गोदारा, पवन कनोजिया, नरेश नरूला, डॉ. राकेश मोहन, भूप सिंह, कृष्ण कुमार, डॉ. मुकेश मंडल, लीलू राम, कविता, मंजू, पवन, संजीव कुमार, सुखपाल, सुनील, सुमित, सज्जन फौजी, सुभाष चंद्र सहित अनेक मौजूद थे।

सिरसा। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण करते हुए।

पर्यावरण संरक्षण समय की मांगः होशियार सिंह

सिरसा। हरियाणा स्टेट नारकोटिक कंट्रोल ब्यूरो यूनिट सिरसा द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण अभियान चलाया गया। टीम द्वारा छायादार, फूलदार, फलदार व औषधीय पौधे रोपित किए गए और उनकी सार-संभाला का भी संकल्प लिया गया। इंस्पेक्टर होशियार सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री ने एक पेड़ मां के नाम अभियान चलाया है, जिसके सकारात्मक परिणाम आए हैं। आम जनमानस में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता आई है और लोग पर्यावरण के संतुलन को बनाए रखने के लिए पौधारोपण के प्रति संजीदगी दिखाने लगे हैं। उन्होंने कहा कि अगर हमारी आने वाली पीढ़ी को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध करवाना है तो हमें अभी से मिलकर प्रयास करने होंगे। इस मौके पर सब इंस्पेक्टर तरसेम सिंह, सुनील, एसआई महावीर सिंह, एसआई जयवीर सिंह, एएसआई चानण राम, एएसआई गुरलाल सिंह, एएसआई सुखदेव सिंह, ईएएसआई बग्गा सिंह, सीटी सुधीर कुमार, सीटी राजेश कुमार, सीटी अनिल कुमार, सीटी अजय कुमार, सीटी संदीप कुमार, ईएचसी इंद्रजीत सिंह, प्रधान रविंद्र सैनी, रणजीत सिंह टक्कर, सूर्यांश सोलर के एमडी नरेंद्र रावत, सूरज रावत सहित अन्य सदस्य मौजूद थे।

आभार | गांव पिरथला का स्कूल अपग्रेड, सांसद ने सीएम एवं शिक्षा मंत्री का जताया आभार

सांसद ने ग्रामवासियों एवं बच्चों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की

युवाओं को रोजगार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए सरकार प्रतिबद्ध : बराला

हरिभूमि न्यूज ⏭|टोहाना

टोहाना। स्कूल अपग्रेड होने पर सांसद सुभाष बराला को लड्डू खिलाकर आभार जताते पिरथला के ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

गांव पिरथला के राजकीय उच्च विद्यालय को अपग्रेड कर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की दिया गया है। स्कूल को अपग्रेड करने पर पिरथला के ग्रामीण शनिवार को राज्यसभा सांसद सुभाष बराला के आवास पर पहुंचे और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा और सांसद सुभाष बराला का आभार व्यक्त किया और लड्डू बांटकर खुशी जाहिर की। इस अवसर पर सांसद सुभाष बराला ने समस्त ग्रामवासियों एवं बच्चों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि विद्यालय के अपग्रेडेशन की प्रक्रिया पहले से चल रही थी, जिसे अब औपचारिक स्वीकृति मिल चुकी है। उन्होंने बताया कि यह विषय शिक्षा मंत्री के संज्ञान में लाया गया था, जिनके प्रयासों से यह निर्णय संभव हुआ। इस विद्यालय के वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर अपग्रेड होने से पिरथला ही नहीं, बल्कि आसपास के छोटे गांवों के बच्चों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ प्राप्त होगा। बराला ने कहा कि प्रदेश सरकार का संकल्प है कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी बच्चों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा के समुचित अवसर उपलब्ध कराए जाएं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार शिक्षा के क्षेत्र में समावेशी विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्राथमिक से लेकर वरिष्ठ माध्यमिक स्तर तक विद्यालयों का सशक्तिकरण, संसाधनों की उपलब्धता, शिक्षकों की नियुक्ति एवं आधारभूत ढांचे का विकास सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है, जिससे ग्रामीण विद्यार्थी भी उत्कृष्ट शिक्षा प्राप्त कर सकें और उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा का आभार व्यक्त किया और विद्यालय के इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने हेतु आवश्यकता अनुसार सभी सुविधाएं बच्चों को उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके लिए जो भी स्कूल की मांगे होगी उसको पूरा कराया जाएगा, ताकि विद्यार्थियों को एक बेहतर और अनुकूल शिक्षण वातावरण प्रदान किया जा सके। सांसद ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार सबका साथ, सबका विकास के मंत्र को आधार बनाकर युवाओं को रोजगार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। यह सुनिश्चित किया गया है कि युवाओं को रोजगार प्राप्त करने में किसी प्रकार की बाधा न आए इसके लिए राज्य सरकार द्वारा व्यापक स्तर पर योजनाबद्ध तैयारी की गई है। प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थियों के लिए सुव्यवस्थित प्रबंध और मार्गदर्शन की व्यवस्था की गई है। पंचायत, नगर पालिका, चुने हुए जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक संगठनों ने मिलकर अभ्यर्थियों के सहयोग में सराहनीय भूमिका निभाई। उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल हो रहे सभी अभ्यर्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

खबर संक्षेप

करनैल सिंह रतिया तहसील कमेटी के प्रधान

रतिया। अखिल भारतीय किसान सभा तहसील कमेटी रतिया का सम्मेलन किसान रेस्ट हाऊस रतिया में मगत राम की अध्यक्षता में हुआ। कार्यक्रम का संचालन राजेन्द्र प्रसाद बाटु ने किया। सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए जिला प्रधान विष्णु दत्त शर्मा ने किसान सभा के इतिहास व लम्बे लडे गए आन्दोलन पर विस्तार से चर्चा की। तीन साल की सांगठनिक, आन्दोलन व आय व्यय की रिपोर्ट पेश की गई, जिसे सभी की सहमति से पास किया। इसके बाद तहसील कमेटी में करनैल सिंह मुन्शीवाली को प्रधान, मंगतराम सहनाल को सचिव, राजेन्द्र प्रसाद बाटु को कोषाध्यक्ष, सतबीर सिंह को उप प्रधान, मंगल सिंह बलियाला को सह सचिव चुना गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि 24 अगस्त को भूना में होने वाले जिला सम्मेलन में हरदीप सिंह नथवान, सुखा राम ढोट, दविन्द्र सिंह महमडा, सतगुरु सिंह तामसपुरा व पांचो पदाधिकारी सहित 9 डेलिगेट भाग लेंगे। सम्मेलन का समापन उप प्रधान जगतार सिंह ने करते हुए केन्द्र सरकार व हरियाणा को किसान विरोधी बताया।

बाइक चोरी के आरोप में दो गिरफ्तार, केस दर्ज

फतेहाबाद। गांव गोरखपुर में एक घर के बाहर से चोरी हुई बाइक के मामले में भूना पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान सचिन पुत्र कुलदीप और सौरभ पुत्र कुलबीर निवासी गोरखपुर के रूप में हुई है। थाना प्रभारी उप-निरीक्षक ओमप्रकाश ने इस बारे जानकारी देते हुए बताया कि इस संबंध में पुलिस ने रामदिया पुत्र हुक्म चंद निवासी गोरखपुर की शिकायत पर थाना भुना में मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता के अनुसार, उसने अपनी बाइक घर के बाहर खड़ी की थी, जिसे किसी अज्ञात व्यक्ति ने चोरी कर लिया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

अवैध पिस्तौल मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। अवैध हथियार रखने के एक मामले में टोहाना पुलिस ने तीसरे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान शुभम उर्फ लेफ्टी पुत्र सिकंदर निवासी गांव कन्हड़ी के रूप में हुई है। इस मामले में पुलिस पहले ही दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। थाना शहर टोहाना के प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद सिंह ने बताया कि पीएसआई अजय कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम रेलवे रोड स्थित भाखड़ा नहर पुल को पार कर गांव दमकोरा की ओर गश्त कर रही थी। जब टीम गांव दमकोरा के स्टेडियम के पास पहुंची, तो एक युवक सामने से आता दिखाई दिया। पुलिस को देखकर युवक ने अचानक पीछे मुडने की कोशिश की, जिससे उसकी गतिविधियां संदिग्ध प्रतीत हुई। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर ही उसे काबू कर लिया। पूछताछ में युवक ने अपना नाम सतनाम उर्फ इतवारी बताया।

रजनी गर्ग चुनीं गई मिसेज तीज क्वीन

रतिया। भारत विकास परिषद रतिया द्वारा अग्रवाल धर्मशाला मेन बाजार में हरियाली तीज समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के प्रकल्प प्रमुख सोनू सेठी रहे वहीं अध्यक्षता महिला सहभागी रतिया, शाखा की डॉ. सबीना जैन ने की। इस समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर नगरपालिका अध्यक्ष प्रीति खन्ना व समाजसेवी पायल बंसल ने शिरकत की। विशिष्ट अतिथि के रूप में मोनिका कटारिया पहुंची। समारोह में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें तीज क्वीन प्रतियोगिता, पारंपरिक तडक़ा प्रतियोगिता, ब्रेस्ट कैंसर, सरवाइकल, स्ट्रैस मैनेजमेंट, योग और ध्यान, विभिन्न गेम और गिफ्ट मुख्य आकर्षण का केंद्र रहे। इस मौके पर तीज क्वीन मिसेज रजनी गर्ग को चुना गया। इस मौके पर सोनिया, श्रुति गोयल, सीमा तनेजा, संतोष, ज्योति बंसल,, मीनू चील्लाना, कनुप्रिया बत्रा, गीतिका चोपड़ा, डॉ. निधि गोयल, कांता रानी, चेष्टा ललित, अंजू तनेजा, चंदन गर्ग, गीतिका चोपड़ा, संजू मेहता व अन्य मौजूद रहीं।

शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी भवनों में लगाई जाएंगी प्रदर्शनी

हर घर तिरंगा अभियान : स्वतंत्रता दिवस तक तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा राष्ट्रीय कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

उपायुक्त मनदीप कौर।

- पहला चरण 8 तक, दूसरा चरण 9 से 12 तक तथा तीसरा चरण 13 से 15 तक

राष्ट्रीय भावना के साथ मनाएं

उपायुक्त मनदीप कौर ने सभी सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों से अपने-अपने कार्यालयों में तिरंगा फहराने की अपील की और आम जनता और विद्यार्थियों को अपने घरों और स्कूलों में गर्व से राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने सभी से इस अभियान को पूरे जोश, उत्साह और राष्ट्रीय भावना के साथ मनाने का आग्रह किया। इस कार्यक्रम से आमजन में देशभक्ति की भावना का विकास होगा और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान में वृद्धि होगी। हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता, स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग, थीम पर आधारित यह कार्यक्रम तीन चरणों में होगा।

अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने और तिरंगे के साथ व्यक्तिगत और भावनात्मक संबंधों को और मजबूत बनाने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव की श्रृंखला में लगातार चौथे वर्ष 'हर घर तिरंगा' अभियान मनाया जा रहा है। 'हर घर तिरंगा' अभियान 15 अगस्त 79वें स्वतंत्रता दिवस तक तीन चरणों में चलेगा। पहला चरण 8 अगस्त तक, दूसरा चरण 9 से 12 अगस्त तक तथा तीसरा चरण 13 से 15 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा। उपायुक्त मनदीप कौर ने बताया कि केंद्र सरकार के संस्कृति मंत्रालय और महानिदेशक सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग हरियाणा की ओर से हर घर तिरंगा अभियान गाइडलाइंस जारी की गई हैं। पहला चरण : पहले चरण में 8 अगस्त तक स्कूलों की दीवारों और बोर्ड को तिरंगे से प्रेरित कला से सजाया जाएगा। शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी भवनों आदि में प्रदर्शनियों का आयोजन होगा। स्कूल, कालेज व सार्वजनिक स्थानों पर तिरंगा रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। तिरंगा राखी बनाने की कार्यशालाएं और प्रतियोगिताओं के आयोजन के साथ ही सैनिकों और पुलिसकर्मियों को 'आभार पत्र' लिखकर डाक विभाग के समन्वय से राखियां भेजी जाएंगी। सार्वजनिक स्थानों व बाजारों में तिरंगे रंगों को प्रदर्शित करने के लिए तिरंगे धागे युक्त 'तिरंगा बुनाई और धागे' की गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

दूसरा चरण : दूसरे चरण में 9 से 12 अगस्त के बीच वृहद आयोजन होंगे। इस दौरान 'तिरंगा महोत्सव' के रूप में एक बड़ा आयोजन किया जाएगा। इसमें वृहद 'तिरंगा मेला' और 'भव्य तिरंगा म्यूजिकल कन्सर्ट' का आयोजन होगा। प्रदेश स्तरीय 'तिरंगा महोत्सव' का आयोजन किसी प्रमुख स्थल पर व्यापक जनभागीदारी के साथ होगा। तिरंगा महोत्सव आयोजित किए जाने वाले प्रमुख स्थल पर तिरंगा मेले का भी आयोजन होगा। इसमें ग्रामीण विकास विभाग के स्वयं सहायता समूह द्वारा निर्मित उत्पाद तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के सहयोग से निर्मित उत्पादों, स्थानीय उत्पादों, तिरंगा रंग की थीम वाली वस्तुओं की बिक्री की जाएगी। तिरंगा मेला में तिरंगा प्रदर्शनी का भी आयोजन होगा। गृह विभाग/पुलिसकर्मियों, अर्धसैनिक बलों, एनसीसी, एनएसएस, सिविल डिफेंस, होमगार्ड एवं खेल विभाग के सहयोग से 'तिरंगा बाइक रैली/तिरंगा साइकिल रैली' का आयोजन किया जाएगा। स्वयं सहायता समूहों, पीडीएस दुकानों, खादी भंडार और स्थानीय बाजार के वस्त्रालयों आदि के माध्यम से तिरंगा की बिक्री और वितरण किया जाएगा।

तीसरा चरण : अभियान के तीसरे चरण में 13 से 15 अगस्त के बीच सभी सरकारी भवनों, शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी कार्यालयों आदि पर ध्वजारोहण समारोह और तिरंगा प्रकाश की व्यवस्था की जाएगी। नागरिकों को तिरंगे के साथ सेल्फी लेकर उसे वेबसाइट पर अपलोड करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। आजादी के अमृत महोत्सव के तत्वावधान में कई गतिविधियां और प्रतियोगिताएं करवाई जाएंगीं। हर घर तिरंगा पहल का उद्देश्य नागरिकों में देशभक्ति की गहरी भावना जगाना, राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान को बढ़ावा देना और राष्ट्रीय प्रतीकों के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है।

फटा व आधा झुका झंडा लगाना मना

देशभक्ति का प्रती राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा जब आप अपने घर, स्कूल या दफ्तर पर फहराएं तो इन नियमों का ध्यान जरूर रखें। राष्ट्रीय ध्वज सूर्योदय से सूर्यास्त तक फहराएं और बाद में सम्मानपूर्वक उतारें। रात में केवल विशेष परिस्थितियों में ही राष्ट्रीय ध्वज फहराया जा सकता है। फटा या आधा झुका झंडा लगाना सख्त मना है। झंडे को कभी फेंकें नहीं, तह लगाकर सुरक्षित रखें। सम्मान से तिरंगा लहराएं, गर्व से सिर उठाएं। 12 से 15 अगस्त तक निजी घरों और प्रतिष्ठानों पर फहराए गए तिरंगे को सम्मानपूर्वक उतारकर सुरक्षित रखें।

भट्टूकलां पुलिस ने लापता बच्चे को सुरक्षित घर तक पहुंचाया

भट्टूकलां। जिला फतेहाबाद में अपराध एवं असामाजिक गतिविधियों पर नियंत्रण के साथ-साथ मानवता और संवेदनशीलता के क्षेत्र में भी पुलिस प्रशासन सराहनीय कार्य कर रहा है। इसी कड़ी में थाना भट्टूकलां पुलिस ने समय पर कार्यवाही करते हुए एक लापता बालक को तलाश कर सुरक्षित उसके माता-पिता को सौंपा, जिससे परिजनों के चेहरों पर मुस्कान लौट आई। मिली जानकारी के अनुसार, भट्टू मंडी में झुग्गी झोपड़ी में रहने वाला सुनील उर्फ सोनी पुत्र पठान किसी बात को लेकर अपने माता-पिता से नाराज होकर रात के समय बिना बताए घर से निकल गया था। परिजनों द्वारा काफी प्रयासों के बावजूद जब बालक नहीं मिला, तो उसके पिता पठान ने थाना भट्टू कलां पहुंचकर रिपोर्ट दी। थाना प्रभारी उप निरीक्षक राधेश्याम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्परता दिखाई और टीम सहित बालक की तुरंत तलाश शुरू कर दी। शहर के मुख्य चौराहों, सार्वजनिक स्थलों और पार्कों में सघन तलाशी अभियान चलाया गया। कुछ ही समय बाद बालक सुनील एक पार्क में अकेला बैठा मिला।

- परिजनों ने पुलिस का आभार जताया

अग्रवाल कॉलोनी में नशा पीड़ितों और उनकी परिवारों की पुलिस टीम ने की काउंसलिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

नशे के खिलाफ जागरूकत करते एसआई सुंदर मुसाफिर।

फतेहाबाद पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे जागरूकता अभियान की कड़ी में नशामुक्ति टीम एसआई सुंदर के नेतृत्व में अग्रवाल कॉलोनी पहुंची और यहां रहने वाले नशा पीड़ितों और उनके परिवारों की काउंसलिंग की गई। काउंसलिंग के उपरांत पीड़ितों को होम्योपैथिक उपचार भी उपलब्ध कराया गया, ताकि वे शारीरिक और मानसिक रूप से पुनः सामान्य जीवन की ओर लौट सकें। टीम ने न केवल पीड़ितों, बल्कि उनके परिवारजनों से भी संवाद कर उन्हें मानसिक समर्थन और सही दिशा में प्रेरित किया। इसके अतिरिक्त, टीम द्वारा सेक्टर-10, 11 एवं पायनियर स्कूल के पीछे स्थित झुग्गी बस्तियों में व्यापक रूप से चेकिंग अभियान चलाया गया। इन संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित निगरानी की आवश्यकता को देखते हुए विशेष रूप से नशे के संदिग्ध गतिविधियों की पड़ताल की गई। पुलिस लगातार निगरानी कर रही है।

अध्यापक संघ के शिविर में 53 ने किया रक्तदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। रक्तदाताओं को प्रोत्साहित करते अध्यापक संघ के पदाधिकारी।

स्कूल टीचर्ज फेडरेशन ऑफ इंडिया की रजत जयंती के उपलक्ष्य में हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ द्वारा जाट धर्मशाला फतेहाबाद में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में अध्यापकों के अलावा अन्य जनसंगठनों के सदस्यों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और रक्तदान कर इस पुनीत कार्य में योगदान दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अध्यापक संघ के जिला प्रधान राजपाल मित्ताथल ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला प्रधान द्वारा एसटीएफआई का ध्वजारोहण कर की गई। रक्तदान शिविर में 59 युवाओं ने भाग लिया जिसमें से 53 युवाओं का रक्तदान संभव हुआ।

रक्तदाताओं को प्रोत्साहित करते हुए अध्यापक संघ के जिला प्रधान राजपाल मित्ताथल व सचिव देसराज माचरा ने कहा कि स्कूल टीचर फेडरेशन ऑफ इंडिया आज अपनी 25वीं जयंती मना रहा है जो कि रजत जयंती है। उन्होंने कहा कि एसटीएफआई की बदौलत ही अध्यापकों को वन स्टेप अप मिला था। केंद्र लेवल पर अध्यापकों की बात रखने वाला कोई संगठन नहीं था, इसलिए एसटीएफआई की स्थापना की गई जो लगातार अध्यापकों के मुद्दों को उठता रहा है। सार्वजनिक शिक्षा को बचाने में एसटीएफआई का अहम रोल है। इस शिविर में वीनस, अनीता, कविता, मनीष, गुरदास, तेजाराम व उनकी टीम ने बहुत ही सराहनीय काम किया। इस मौके पर मुरारी लाल, राजेश गोठड़ा, रजवंत, देवीलाल, सतपाल ढाका, अजय बेनीवाल सहित अन्य मौजूद रहे।

अनाजमंडी में लगा स्वास्थ्य जांच शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। स्वास्थ्य जांच कैम्प में उपस्थित अतिथिगण।

अनाजमण्डी स्थित श्रीराम सेवा समिति धर्मशाला में स्वास्थ्य जांच कैम्प का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता अग्रोहा विकास ट्रस्ट की जिलाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय सामाजिक विकास समिति की राष्ट्रीय महासचिव नेहा मित्तल ने की। इस अवसर पर व्यापार मण्डल के प्रधान जगदीश भादू मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे जबकि पार्षद अर्जुन कटारिया विशिष्ट अतिथि थे। नेहा मित्तल ने बताया कि यह कैम्प स्वास्थ्य विभाग और अग्रोहा विकास ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से आए डॉ. सुनीता सोखी, जीएनएम प्रवीन, लैब टैक्नीशियन व फार्मासिस्ट मनप्रीत ने कैम्प के दौरान मरीजों के शूगर, बीपी, रक्त की जांच की गई। कैम्प के दौरान मरीजों को निशुल्क दवाईयां भी वितरित की गई। उन्होंने बताया कि इस कैम्प में सैंकड़ों लोगों ने स्वास्थ्य की जांच करवाई। नेहा मित्तल ने कहा कि लोगों को स्वास्थ्य विभाग की ओर से प्रदान की जा रही सुविधाओं का भरपूर लाभ उठाना चाहिए तथा समय-समय पर स्वास्थ्य की जांच करवानी चाहिए।

अब ढिंगसरा के राजकीय विद्यालय में मिलेगा आध्यात्मिक ज्ञान

फतेहाबाद। सरकारी स्कूलों में शिक्षा के साथ-साथ अब बच्चों को आध्यात्मिक मूल्यों की भी शिक्षा दी जा रही है। इस दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए राजकीय माध्यमिक विद्यालय ढिंगसरा में विद्यार्थियों को नियमित रूप से गायत्री मंत्र, शांति पाठ, योग, ध्यान और प्रेरणादायक प्रसंगों के माध्यम से नैतिक व आध्यात्मिक ज्ञान से जोड़ा जाएगा। विद्यालय एसएमसी अध्यक्ष पवन सिंह ने बताया कि आध्यात्मिक शिक्षा बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता से बच्चों में संयम, अनुशासन, और सकारात्मक सोच विकसित होती है, जो उन्हें एक बेहतर नागरिक बनाती है। पवन सिंह ने विद्यालय स्टाफ के साथ विशेष बैठक कर शिक्षकों को इस दिशा में जागरूक किया और उन्हें बच्चों को नैतिक शिक्षा देने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय स्टाफ ने इस पहल का समर्थन करते हुए कहा कि यह कदम विद्यार्थियों को जीवन में सही दिशा दिखाने का कार्य करेगा। गांव के अभिभावकों और समुदाय के सदस्यों ने भी इस नवाचार की सराहना करते हुए कहा कि इससे बच्चों का व्यक्तित्व और संस्कार दोनों मजबूत होंगा। जिस दौरान मुख्य शिक्षक द्वारका प्रसाद, धर्मवीर झाझड़ा, ओकेश कुमार, राकेश रोशन, कविता रानी, कविता बेदी, अनुपमा यादव मौजूद रहे।

जरूरतमंदों को सरबत दा भला संस्था ने बांटे पेंशन के चेक

फतेहाबाद। *सरबत दा भला संस्था द्वारा आज गीता मंदिर में स्वामी डॉ. दिव्यानंद जी महाराज के सानिध्य में 30 जरूरतमंदों को मासिक पेंशन के चेक वितरित किए गए। स्वामी दिव्यानंद महाराज ने चेक वितरित करते हुए कहा कि संस्था के कार्य सराहनीय है जरूरतमंदों की मदद कर संस्था पुण्य की भागी बन रही है। इस अवसर पर सिटी वेलफेयर क्लब प्रदेश अध्यक्ष विनोद अरोड़ा ने कहा कि यह दुनिया की पहली संस्था है जो बिना दान चंदा व सदस्यता शुल्क के चल रही है। डॉ. एसपी सिंह ओबेरॉय अपनी नेक कमाई में से पूरे विश्व में लोगों की सेवा करके एक मिसाल कायम कर रहे हैं। सरबत दा भला जिला अध्यक्ष रसप्रीत सिंह ग्रोवर ने आए हुए अतिथियों का धन्यवाद किया। इस अवसर पर एनआरआई गुलशन मिढ़ा, डॉ. महेंद्र मेहता, लवली मेहता, तिलकराज मोंगा, ललित चौधरी, रामनिवास, देवेंद्र मोंगा, विकास श्योराण, हिमांशु मित्तल, सुभाष मक्कड़, दुवित श्योराण, उमंग सरदाना सहित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।*

मन ही मलिन है तो प्रसन्नता संभव नहीं : दिव्यानंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। पूजा अर्चना करवाते स्वामी दिव्यानंद जी महाराज।

मॉडल टाऊन स्थित श्री गीता भवन में आयोजित सद्गुरू पादुका पूजन के दूसरे दिन गुरूदेव डॉ. स्वामी दिव्यानंद महाराज ने कहा कि बाहर की आंखों से तो एक पत्थर-पत्थर ही दिखता है, किंतु उसी पत्थर में भगवान की प्रतिमा निहारने की दिव्य दृष्टि तो गुरूदेव ही देते हैं। कानों से तो हम सुनते ही हैं, मनमर्जी की सोच से कुछ भी अर्थ करके तनाव मोल ले लेते हैं। सद्ग्रंथों में पढक़र कुछ भी अर्थ करके मनमर्जी की धर्म की व्याख्याएं कर धर्म के नाम पर भी हम अधर्म और पाखंड करते रहते हैं। हमें ऐसा आभास भर ही होता है कि हम धर्म कर्म कर रहे हैं, किंतु वहां धर्म का लेशमात्र भी नहीं होते। केवल भीड़ को देखकर गणित लगा लेते हैं कि ये सभी श्रद्धालु हैं ऐसा होता नहीं। स्वामी दिव्यानंद महाराज ने कहा कि गुरूदेव केवल मंत्र ही नहीं विवेक दृष्टि भी देते हैं ताकि भले-बुरे की पहचान कर बुरे का त्याग कर सकें और अच्छे को स्वीकार कर सकें। अभी तो हम केवल शिष्य दिखते हैं, एक बहुत बड़ी है शिष्यों की, किंतु अभी शिष्यत्व की साधना नहीं हो पाई।

5 साल पुराने कर्मचारियों को हटाने की झूठी अफवाहें फैला रहा है विपक्ष : जोड़ा

फतेहाबाद। शिक्षित और योग्य युवाओं का भविष्य सुरक्षित करते हुए सीएम नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली प्रदेश की भाजपा सरकार ने हरियाणा सरकार ने कौशल रोजगार निगम अंतर्गत लगे लगभग 1.20 लाख अनुबंधित कर्मचारियों की नौकरी 58 साल तक सुरक्षित करने का सराहनीय फैसला लिया है। भाजपा के जिलाध्यक्ष एडवोकेट प्रवीण जोड़ा ने बताया कि सरकार की कैबिनेट मीटिंग में हरियाणा कौशल रोजगार निगम के तहत लगे 5 साल पुराने कर्मचारियों के लिए एसओपी को मंजूरी दी है, जिससे उक्त कर्मचारियों का भविष्य सुरक्षित हो गया है। एडवोकेट प्रवीण जोड़ा ने सभी कर्मचारियों को बधाई व शुभकामनाएं देते हुए प्रदेश सरकार व सीएम नायब सिंह सैनी का आभार प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार युवाओं के भविष्य को लेकर संवेदनशील है। भाजपा सरकार में बिना पर्ची बिना खर्ची के केवल शिक्षित और योग्य उम्मीदवारों को सरकारी नौकरियां दी गई हैं। युवाओं को शिक्षित बनाने से लेकर सरकारी नौकरियां व स्वरोजगार देने की दिशा में भाजपा सरकार संकल्पबद्ध है। उन्होंने कहा कि एसओपी को मंजूरी मिलने के बाद अब उक्त कर्मचारियों को भी पक्के कर्मचारियों के समान बेसिक वेतन दिया जाएगा। प्रवीण जोड़ा ने बताया कि विपक्षियों द्वारा यह झूठी अफवाह फैलाई गई कि भाजपा सरकार 5 साल पुराने कर्मचारियों को हटा रही है।

स्कूलों में नशा के खिलाफ चल रहा जागरूकता अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जिला फतेहाबाद में नशा और असामाजिक गतिविधियों के विरुद्ध चल रहे अभियान को और अधिक प्रभावशाली बनाने हेतु पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के नेतृत्व में आज एडवाइजरी जारी की गई है। यह एडवाइजरी विशेष रूप से स्कूलों, कॉलेजों, कोचिंग सेंटरों और अन्य शिक्षण संस्थानों के आसपास के वातावरण को सुरक्षित, नशा-मुक्त और सकारात्मक बनाने पर केंद्रित है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य है बच्चों और युवाओं को एक सुरक्षित, स्वस्थ एवं प्रेरणादायक माहौल प्रदान करना, जिससे वे निर्भय होकर अपने भविष्य की दिशा में अग्रसर हो सकें। एडवाइजरी में सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्र में स्थित शिक्षण संस्थानों के आसपास नियमित रूप से गश्त करें तथा किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधियों पर कड़ी निगरानी बनाए रखें। यदि कोई संदिग्ध व्यक्ति या वाहन शिक्षण संस्थानों के निकट संदिग्ध रूप से घूमता पाया जाए, तो तत्काल कार्रवाई करते हुए आवश्यकतानुसार पूछताछ एवं गिरफ्तारी की जाए। संबंधित संस्थानों के प्रबंधन के साथ समन्वय स्थापित कर नशा विरोधी जागरूकता कार्यक्रम, संवाद सत्र एवं काउंसलिंग कैंप आयोजित किए जाएं। विद्यालयों की अभिभावक-शिक्षक बैठकों में पुलिस अधिकारियों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए, ताकि अभिभावकों को भी इस गंभीर विषय पर जागरूक किया जा सके। झुग्गी बस्तियों, हाई-रिस्क जोन व अन्य क्षेत्रों में अभियान चलाया जाएगा।

समाज को सुरक्षित दिशा में ले जाना पुलिस की जिम्मेदारी : जैन

स्कूलों के बाहर पुलिस गश्त होगी तेज, एसपी ने दिए संदिग्धों पर तुरंत कार्रवाई के निर्देश

फतेहाबाद। वाहनों की जांच करते पुलिस कर्मचारी।

संदिग्ध गतिविधियों को तुरंत सूचना दें

एसपी ने आमजन से अपील की है कि यदि वे किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि को देखें, तो तत्काल पुलिस को सूचना दें। सूचना देने वाले की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी। एसपी ने कहा कि पुलिस का कार्य केवल अपराधियों को पकडना ही नहीं, बल्कि समाज को एक सकारात्मक दिशा में आगे ले जाना भी है। जब बात हमारे बच्चों और युवाओं की सुरक्षा की हो, तो हम कोई समझौता नहीं करेंगे। पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है एक नशा-मुक्त, सुरक्षित और शिक्षाप्रद वातावरण का निर्माण करना। हम सभी नागरिकों से सहयोग की अपेक्षा करते हैं, ताकि मिलकर एक सुरक्षित, सशक्त और उज्ज्वल समाज की नींव रखी जा सके।

देश के पूर्वोत्तर राज्य मेघालय की राजधानी शिलांग के उत्तर-पूर्व में खासी पहाड़ियों के बीच बसा मॉसिनराम ग़ांव विश्व में सर्वाधिक वर्षा वाले स्थान के रूप में जाना जाता है। साल में लगभग आठ महीने बारिश से भीगने वाले इस गांव की अनेक विशेषताएं इसे दुनिया में अलग पहचान प्रदान करती हैं। क्यों होती है यहां इतनी बारिश, कैसे रहते हैं स्थानीय लोग वहां, विस्तार से जानिए।

बादलों और बारिश का बसेरा
मॉसिनराम गांव

टूरिस्ट स्पॉट / वीना गौतम

चाहे कोई शहर हो, कस्बा हो या फिर गांव, हर जगह की अपनी एक निजी पहचान, कुछ अलग विशेषता होती है। यही विशेषता उस स्थान विशेष को एक लैंडमार्क के रूप में स्थापित करती है। भारत में ऐसा ही एक स्थान है, मेघालय की राजधानी शिलांग में स्थित मॉसिनराम गांव।

सर्वाधिक वर्षा वाला स्थान

आज से कुछ दशक पूर्व तक चेरापूंजी विश्व के सर्वाधिक वर्षा वाले स्थान के रूप में जाना जाता था। लेकिन अब मॉसिनराम को सर्वाधिक वर्षा वाले स्थान का खिताब प्राप्त है। दरअसल, 1973 से 2019 के बीच मौसम विज्ञान के डेटा के मुताबिक चेरापूंजी में मॉसिनराम से 0.42 मिलीलीटर कम बारिश होने लगी थी। इस अंतर को देखते हुए सर्वाधिक वर्षा वाले स्थान का जो ताज चेरापूंजी के सिर पर हुआ करता था, वह मॉसिनराम नामक गांव के सिर पर सज गया।

इसलिए होती है सर्वाधिक बारिश

सवाल है आखिर मॉसिनराम में दुनिया की सबसे ज्यादा बारिश कैसे होती है? जबकि दुनिया में सबसे ज्यादा बारिश वाली जगहें आमतौर पर भूमध्य रेखा के आस-पास होती हैं। दुनिया में भौगोलिक रूप से देखा जाए तो सबसे ज्यादा बारिश दक्षिण अमेरिका, मध्य-पश्चिमी अफ्रीकी देशों और कुछ दक्षिण-पूर्वी एशिया के देशों में होती है। फिर मॉसिनराम ने दुनिया में सबसे ज्यादा बारिश की बाजी कैसे मार ली? इसका जवाब है कि आमतौर पर मई से सितंबर तक यहां जो बारिश होती है, उसका सबसे बड़ा कारण इस गांव की अपनी खास भौगोलिक स्थिति है। शिलांग से लगभग 60 से 65 किलोमीटर दूर उत्तर पूर्वी दिशा में खासी पहाड़ियों के बीच बसा यह गांव अपनी विशेष स्थिति के कारण दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान पानी से भरी बदलियों का डेरा बन जाता है। खासी पहाड़ियों की खास स्थिति इन पानी से भरी बदलियों को आवभगत के लिए रोकती है और ठीक तभी बंगाल की खाड़ी से आने वाली गर्म और नम हवाएं इन्हें यहां झूमकर बरस जाने के लिए मजबूर कर देती हैं। 1491 मीटर ऊंची खासी पहाड़ियों के कारण ही इन बादलों की नमी संघनित होकर बारिश में बदल जाती है।

बांस के छाते से खुद को भीगने से बचाते स्थानीय लोग

पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र

हर वर्ष मई से सितंबर तक यहां प्रायः हर रोज कम से कम एक बार तो झूमकर बादल बरसते ही हैं। यही नहीं ये बादल दिन के ज्यादातर समय यहां डेरा डाले रहते हैं। पहले देश-विदेश के लोग चेरापूंजी इसलिए घूमने जाया करते थे कि यह भारत और दुनिया में सबसे ज्यादा बारिश वाली जगह थी, उसी तरह अब लोग मॉसिनराम जाते हैं। पर्यटकों की वजह से यहां के लोगों के आय का स्रोत भी थोड़ा बढ़ा है। चेरापूंजी के सिर से हालांकि सर्वाधिक बारिश वाला ताज तो इसके पड़ोसी मॉसिनराम ने छीन लिया, लेकिन आज भी चेरापूंजी दुनिया में दूसरे नंबर के सबसे ज्यादा बारिश वाली जगह बनी हुई है। मॉसिनराम का मौसम सालभर ठंडा और ह्यूमिड यानी नमी वाला रहता है। हां, इसके बावजूद यह जगह अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए पर्यटकों को आकर्षित करती है। यही कारण है कि शिलांग या चेरापूंजी घूमने का कार्यक्रम बनाने वाले लोग अब मॉसिनराम को भी अपने पर्यटन शिड्यूल शामिल करते हैं। क्योंकि यह भारत के नक्शे में एक विशिष्ट लैंडमार्क है।

दुनिया का सर्वाधिक नम स्थान भी है मॉसिनराम

ये खूबियां बनाती हैं खास

इस गांव की अपनी कई और खूबियां भी हैं। हर समय बारिश होने के कारण यहां पानी में उगने वाली कई पत्तेदार सब्जियां खूब मिलती हैं। कई तरह के मौसमी फल भी यहां खूब मिलते हैं। पानी भरपूर होने के कारण मछलियां भी खूब पाई जाती हैं। देश के दूसरे हिस्सों में जब बारिश होती है तो आमतौर पर जनजीवन ठहर सा जाता है। लेकिन मॉसिनराम गांव में ऐसा नहीं होता। यहां के लोग बारिश के बीच चलते-फिरते और घूमते रहते हैं। यहां के बाशिंदे बारिश के समय भीगने से बचने के लिए खास तरह के बांस के बने छातों का इस्तेमाल करते हैं, जिन्हें कनूप कहते हैं। यह कनूप सिर्फ यहां की ही नहीं चेरापूंजी की भी पहचान है। दरअसल, इससे यहां के लोगों का कमर तक शरीर ढका रहता है और वे अपने सारे काम करते रहते हैं।

इसके नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

मॉसिनराम के पास दुनिया में सबसे ज्यादा बारिश का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड है। यहां पूरे साल में करीब 6 से 8 महीने लगभग हर दिन एक बार बारिश होती है और यहां देश के किसी भी बाकी हिस्से से लगभग 10 गुना ज्यादा बारिश होती है। एक साल में लगभग 11,871 मिलीमीटर। इतनी ज्यादा बारिश दुनिया में और कहीं नहीं होती। मॉसिनराम गांव, दुनिया में सबसे गीली जगह भी है। यहां पर 'वेटेस्ट प्लेस ऑफ अर्थ' का साइन बोर्ड भी लगा हुआ है।

हालांकि मॉसिनराम के दावे को चुनौती देने के लिए कुछ सालों पहले कंबोडिया के एक शहर यूरो ने दावा किया था कि उसके यहां साल में 12,717 मिलीलीटर बारिश होती है, लेकिन जब गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा उसके दावे की जांच की गई, तो यह गलत पाया गया। माना गया कि शायद बारिश को नापने का उसका पैमाना, पुराना और पारंपरिक है, जिससे उनसे यह गलतफहमी हुई। *

वास्तव में जीरो नहीं होता है
लोन पर जीरो इंटरेस्ट

आकर्षक डिस्काउंट, जीरो इंटरेस्ट पर लोन जैसे प्रलोभनों के जाल में अकसर लोग फंस जाते हैं। इन ऑफर्स या लोन पर सामान खरीदना क्या वास्तव में फायदेमंद होता है? इसकी हकीकत आपको पता होनी चाहिए।

मनी मैटर्स / शिखर चंद जैन

चाहे 15 अगस्त हो या 26 जनवरी, क्रिसमस हो या न्यू ईयर, वैलेंटाइन-डे हो, वूमेंस-डे हो, दीपावली हो या होली, प्रायः हर फेस्टिवल, खास ऑकेजन पर प्रोडक्ट निर्माता कंपनियां अपने ग्राहकों को लुभाने के लिए तरह-तरह के ऑफर्स देती हैं। साथ ही कई डीलर या उनके साथ मिलकर काम करने वाले फाइनेंसर 'जीरो इंटरेस्ट' ईएमआई पर घरेलू उपकरण देने की पेशकश भी करते हैं। अकसर ग्राहक ऑफर्स के ऐसे भ्रम जाल में फंस जाते हैं।

जीरो इंटरेस्ट का फंडा: ईएमआई या लोन पर घरेलू सामान या मशीनरी की खरीद करते समय अच्छी तरह जान लें कि डीलर या फाइनेंसर मुफ्त समाज सेवा करने के लिए नहीं बैठा है। वे अपनी रकम के बदले ब्याज वसूल करते हैं। जीरो इंटरेस्ट के पीछे एक चतुराई भरा हिसाब-किताब होता है। पहली बात, नकद खरीद में एकमुश्त पैसा देकर खरीदने पर इलेक्ट्रिक आइटमों पर काफी डिस्काउंट दिया जाता है, जो ब्रांड और सामान की क्वालिटी पर निर्भर करता है। कई बार तो यह एमआरपी पर 40 फीसदी तक भी हो सकता है। लेकिन जब आप किश्तों पर सामान खरीदते हैं, तो सारा हिसाब-किताब एमआरपी के हिसाब से ही किया जाता है। मामूली डिस्काउंट दे भी दिया जाए, तो एडमिनिस्ट्रेशन या सर्विस चार्ज के नाम पर आपसे वसूली कर ली जाती है। साथ ही आप खरीददारी के वक्त जो डाउन पेमेंट देते हैं, वो हाथों-हाथ देने के बावजूद उस पर भी ब्याज जोड़ लिया जाता है। याद रखें, 'जीरो इंटरेस्ट' का ऑफर, प्रायः प्रोडक्ट की सेल बढ़ाने का मात्र एक तरीका होता है। सच तो यह है कि ज्यादातर फाइनेंस करने वाला, लोन की रकम पर पूरा ब्याज वसूलता है। लोन पर या किश्तों पर घरेलू उपकरण खरीदना अधिकांश मामलों में घाटे का सौदा ही होता है।

ऐसे भी मिल सकता है डिस्काउंट: कई बार डीलर आपको काफी डिस्काउंट और बहुत कम एडमिनिस्ट्रेटिव फीस में भी ईजी इंस्टॉलमेंट पर सामान देने के लिए तैयार हो जाता है। ऐसा करने के पीछे कुछ कारण होते हैं। जैसे- सामान को स्टॉक में रखने और हैंडल करने की बजाय बेचने में लाभ, वैसे गैजेट्स या उपकरण का कोई नया मॉडल बाजार में आ चुका हो या आने वाला हो, जिससे उसकी मांग में गिरावट आ सकती हो, काफी दिनों से स्टॉक में रहने के बावजूद उस मॉडल की बाजार में खास मांग न आ रही हो। इन स्थितियों में उपकरण की लाइफलाइन बहुत कम हो जाती है और रीसेल वैल्यू भी गिर जाती है। इसलिए प्रोडक्ट की पूरी जानकारी लेकर ही उसे खरीदें।

इन बातों पर विचार कर लें: अगर आपको लोन या किश्तों पर सामान खरीदना ही हो, तो डीलर से कंज्यूमर लोन लेने की बजाय दूसरे विकल्पों पर विचार करके देखें। अगर आपके अपने बैंक डिपॉजिट पर कम ब्याज दर पर लोन मिल रहा हो या उससे कम ब्याज दर पर पर्सनल लोन मिल रहा हो, तो उस पर विचार करें। क्रेडिट कार्ड पर सामान खरीदना तो कई बार और भी महंगा ऑप्शन साबित हो सकता है।

समझें जरूरत-दिखावे का अंतर: कई बार लोग जरूरत न होने पर भी देखा-देखी या दिखावे के चक्कर में अनावश्यक घरेलू सामान खरीद लेते हैं। यहां ध्यान देने की बात यह है कि घरेलू सामान या उपकरणों की रीसेल वैल्यू बहुत कम होती है। साथ ही इन प्रोडक्ट्स का लाइफ स्पैन भी काफी कम होता है। इसलिए ये सामान तभी खरीदें, जब आपको इनकी जरूरत हो। जीरो इंटरेस्ट के छलावे में आकर सिर्फ दिखावे के लिए ऐसे सामानों की खरीद, आपके घरेलू बजट पर बुरा असर डाल सकती है।

तुलनात्मक लाभ को समझें: अगर आप अपने पास पर्याप्त रकम होने के बावजूद लोन पर सामान खरीद रहे हैं, तो ऐसा करना तभी ठीक होगा जब आप अपनी रकम को किसी ऐसी जगह निवेश कर रहें हों, जहां से तुलनात्मक रूप से आपको ज्यादा रिटर्न (फायदा) मिल सकता है। ऐसी स्थिति में आप फायदे में रहेंगे। अन्यथा लोन लेना सही नहीं रहेगा। *

दायित्व / विजय सिंह चौहान

जब हम किसी के लिए कुछ अच्छा या उसकी मदद करते हैं तो इससे उस जरूरतमंद इंसान का भला तो होता ही है, हमें भी संतुष्टि मिलती है। इसलिए ऐसे अवसर को कभी न गवाएं।

जितना हो सके संभव
बनें किसी का सहारा

एक वृक्ष बिना किसी अपेक्षा के हमें छाया देता है, फल-फूल देता है, लकड़ी और प्राण वायु तक देता है। वह न तो कुछ संजोता है और न ही प्रतिदान की आकांक्षा रखता है। उसका समर्पण पूर्णतः निःस्वार्थ होता है। पेड़ ही नहीं पूरी प्रकृति हमें देना, दूसरों का भला करना सिखाती है। प्रकृति का मौन संदेश है-सब कुछ देकर भी विनम्र बने रहना।

हम समझें अपना दायित्व: मानव होने के नाते हमारा भी यह उत्तरदायित्व बनता है कि हम समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को जानें, समझें और उन्हें निभाएं। किसी भटके को राह दिखाना, लड़खड़ाते को थाम लेना, निराश को आशा देना-एक इंसान, एक सामाजिक प्राणी होने के नाते हमारा सामाजिक दायित्व है।

मनुष्य होने की सार्थकता: जब भी किसी जरूरतमंद की मदद करने की बात आती है, तो कई लोगों के मन में यह प्रश्न उठता है, 'मैं ही क्यों मदद करूं?' जरा ध्यान से सोचें, तो इस प्रश्न का उत्तर हमें स्वयं ही मिल जाएगा। आज हम आभासी दुनिया में उलझे हुए हैं, मानवीय संवेदनाएं सूखती जा रही हैं। हम समस्याओं को पहचानते हैं, उन पर चर्चा भी करते हैं, पर रुक कर किसी की सहायता करना जैसे भूलते जा रहे हैं। यदि हमारा छोटा-सा प्रयास, हमारी थोड़ी-सी मदद किसी के जीवन में रोशनी भर सकती है, तो हमें इस तरह के प्रयास जरूर करने चाहिए। ऐसा न करके हम एक जरूरतमंद-लाचार को मदद से वंचित तो रखते ही हैं, साथ ही यह एक इंसान के रूप में स्वयं से भी छल है। मनुष्य वही है, जो मनुष्य के काम आए। इसलिए अगर आप समर्थ हैं तो आपको अपने सामर्थ्य के अनुसार किसी जरूरतमंद की मदद जरूर करनी चाहिए। ध्यान रखें, वास्तविक परोपकार केवल दान-पुण्य तक सीमित नहीं होता। यह एक सोच है, एक जीवनशैली जो हमें 'मनुष्य' होने के सही अर्थ से जोड़ती है।

हम क्या कर सकते हैं: अगर मन में परोपकार की सच्ची भावना है, तो हम कई तरह से किसी जरूरतमंद की मदद कर सकते हैं। किसी निर्धन बालक की शिक्षा में सहयोग करें, उसे किताबें दें या थोड़ा-सा समय निकाल कर स्वयं पढ़ाएं। ज्ञान का दीपक एक बार जल जाए, तो वह अनेक दीपों को रोशन कर सकता है। अगर आपके पास आर्थिक संसाधन सीमित हों तो तन से सेवा करें। वृक्षारोपण, जल संरक्षण, अस्पतालों या वृद्धाश्रमों में सहयोग कर सकते हैं। रक्तदान जैसे महादान के माध्यम से भी हम मानव सेवा या परोपकार कर सकते हैं।

व्यवहार से परोपकार: आप अपनी वाणी, अपने व्यवहार से भी किसी को उपकृत कर सकते हैं, किसी का संबल बन सकते हैं। आज असंख्य लोग अवसाद और अकेलेपन से जूझ रहे हैं, विशेष रूप से हमारे बुजुर्ग। ऐसे में अपनत्व भरे दो शब्द उनके जीवन की संध्या में उजास भर सकते हैं। किसी बुजुर्ग का हाथ थाम लेना, उनकी मन की सुन लेना, यह छोटा-सा आत्मीय व्यवहार उनके लिए अमूल्य हो सकता है।

कर सकते हैं सार्थक प्रयास : सेवानिवृत्त हो चुके बुजुर्ग और कुशल युवा, समाज के जरूरतमंद तबकों की मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। अपने अनुभव और ज्ञान से वे जरूरतमंद युवाओं और किशोरों को आत्मनिर्भर बनने में मार्गदर्शन दे सकते हैं। उनकी यह सेवा तात्कालिक नहीं, दीर्घकालिक प्रभाव वाली होगी।

दीर्घकालिक संस्कार: जब हम यह सोचने लगते हैं, 'मैं समाज को क्या दे सकता हूं?' तभी हम सच्चे अर्थों में मनुष्यत्व के नजदीक पहुंचते हैं। हमारा एक छोटा-सा प्रयास किसी के जीवन में आशा बनकर खिल सकता है। वास्तव में, परोपकार कोई क्षणिक भाव नहीं, बल्कि दीर्घकालिक संस्कार है। तो आइए समाज को कुछ देने का हर संभव प्रयास करें। *

फिल्म-ट्रेंड / हेमंत पाल

बॉलीवुड में जिन रिश्तों या भावनाओं को आधार बनाकर कई सफल फिल्में बनीं, उनमें से एक दोस्ती भी है। इन फिल्मों को दर्शकों ने भी खूब पसंद किया। दोस्ती के अलग-अलग रंगों से सजी कुछ फिल्मों पर एक नजर।

फिल्मों में खूब नजर आए हैं
दोस्ती के अलग-अलग रंग

'दोस्ती' ने कायम की फिल्मी दोस्ती की मिसाल

'सौदागर' में दिखी राजकुमार-दिलीप कुमार की दोस्ती

हम सभी की जिंदगी में दोस्त बहुत अहमियत रखते हैं। यही वजह है कि जिंदगी के अलग-अलग शेड्स को सिल्वर स्क्रीन पर पेश करने वाले फिल्मकारों ने भी दोस्त और दोस्ती की फीलिंग पर कई यादगार फिल्में बनाई हैं। हिंदी फिल्मों के शुरुआती दौर से कई ऐसी फिल्में बनी हैं, जिनमें दोस्ती के रिश्ते को बड़ी ही खूबसूरती के साथ पेश किया गया। दोस्ती पर आधारित ऐसी कई फिल्में हैं, जिन्हें दर्शकों का भरपूर प्यार मिला।

मील का पत्थर बनी 'दोस्ती': जब भी दोस्त और दोस्ती पर बनी फिल्मों का जिक्र होता है, 1964 में राजश्री प्रोडक्शन की फिल्म 'दोस्ती' के बिना बात पूरी नहीं होती। अपने समय की यह सुपरहिट फिल्म थी। फिल्म में शारीरिक रूप से अक्षम दो गरीब दोस्तों रामू और मोहन की कहानी दिखाई गई है। फिल्म में रामू (सुशील कुमार सोमैया) पैर से अक्षम होता है और मोहन (सुधीर कुमार सावंत) की आंखें नहीं होती हैं। वे दोनों एक-दूसरे के साथ मिलकर जीवन की चुनौतियों का सामना करते हैं। दोस्ती जैसे विषय पर बनी फिल्मों के बीच एक मील का पत्थर है यह फिल्म। उसके बाद तो दोस्ती की मिसाल वाले इस विषय को कई बार घुमा फिराकर परोसा जाता रहा। 'दोस्त', 'खुदगर्ज' 'चश्मेबद्दूर' और 'काई पो चे' में दोस्ती को अलग-अलग ढंग से पेश किया गया।

इन कलाकारों ने कई फिल्मों में निभाई दोस्ती: बॉलीवुड के बिग बी यानी अमिताभ बच्चन की कई फिल्मों का केंद्रीय विषय दोस्ती रहा। 'जंजीर', 'शोले', 'नमक हराम', 'हेराफेरी', 'शान', 'सुहाग', 'दोस्ताना', 'मुकद्दर का सिकंदर' जैसी फिल्मों को याद कीजिए। इन सभी सफल फिल्मों में अमिताभ और अन्य कलाकारों के बीच की दोस्ती के विभिन्न रंगों को अलग-अलग ढंग से पेश किया गया। 'हेराफेरी', 'मुकद्दर का सिकंदर' में अमिताभ और विनोद खन्ना की दोस्ती दिखाई गई। 'दोस्ताना' में शत्रुघ्न सिन्हा के साथ अमिताभ की दोस्ती मिसाल के रूप में याद की जाती है। 'शोले' में जय (अमिताभ बच्चन) और वीरू (धर्मेंद्र) की दोस्ती को कौन भूल सकता है भला! अमिताभ और धर्मेंद्र की दोस्ती बाद में 'चुपके-चुपके' और 'राम बलराम' जैसी फिल्मों में भी दिखी। राजेश खन्ना के साथ अमिताभ ने 'आनंद' और 'नमक हराम' में दोस्ती को जीवंतता दी। शशि कपूर के साथ 'ईमान धरम' और 'सुहाग' जैसी फिल्मों में अमिताभ ने यही दोस्ती निभाई।

'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' में दिखी नए दौर की दोस्ती

धर्मेंद्र भी उन कलाकारों में हैं, जिन्होंने कई एक्टर्स के साथ फिल्मी दोस्ती का किरदार अदा किया। फिल्मों में धर्मेंद्र की दोस्ती शत्रुघ्न सिन्हा और विनोद खन्ना के साथ कई बार बनी। इनके अलावा अनिल कपूर-जैकी श्रॉफ, अक्षय कुमार-सुनील शेट्टी और संजय दत्त-गोविंदा की दोस्ती पर बनी फिल्मों को भी दर्शकों ने खूब पसंद किया।

दोस्ती और प्रेम त्रिकोण: दोस्ती और प्रेम त्रिकोण पर आधारित कई हिंदी फिल्में बनीं और सफल हुईं।

'शोले' में जय-वीरू की यादगार दोस्ती

दो दोस्तों की दोस्ती के बीच एक लड़की आ जाती है। फिर या तो गलतफहमी पनपती है या प्रेम त्रिकोण बन जाता है। क्लाइमैक्स में या तो गलतफहमी दूर हो जाती है या फिर एक दोस्त का त्याग सामने आता है। इस तरह की फिल्मों का चलन शायद राज कपूर, राजेंद्र कुमार की फिल्म 'संगम' से शुरू हुआ था। आगे चलकर इस तरह की कई फिल्में बनीं और सफल हुईं।

यादगार है 'सौदागर' की दोस्ती: 1991 में सुभाष घई ने फिल्मी दुनिया के दो दिग्गजों दिलीप कुमार और राज कुमार को दोस्ती की डोर में बांधा और फिल्म बनाई-सौदागर। इस फिल्म की गिनती दोस्ती पर आधारित श्रेष्ठ फिल्मों में होती है।

दिखे दोस्ती के कई रूप: हर दौर में दोस्ती के आधार पर बनाई गई फिल्मों में दोस्ती के अलग-अलग रूप नजर आते रहे हैं। 'दिल चाहता है' तीन दोस्तों, आकाश (आमिर खान), समीर (सैफ अली खान) और सिद्धार्थ (अक्षय खन्ना) की कहानी है, जो अपनी जिंदगी के अलग-अलग पड़ावों से गुजरते हुए दोस्ती के महत्व को समझते हैं। '3 इडियट्स' तीन इंजीनियरिंग छात्रों की कहानी है, जो अपनी पढ़ाई, करियर और जीवन के बारे में अलग-अलग दृष्टिकोण रखते हैं, पर उनकी दोस्ती बनी रहती है। 'जिंदगी न मिलेगी दोबारा' तीन दोस्तों की कहानी है जो बैचलर पार्टी के लिए स्पेन जाते हैं और वहां अपनी दोस्ती के नए आयाम ढूंढते हैं। बीते कुछ दशकों में ऐसी फिल्में भी बनाई गईं, जिनमें दोस्ती तो थी, पर फिल्म का केंद्रीय विषय कुछ और ही था। 'रंग दे बसंती', 'कुछ-कुछ होता है', 'दिल तो पागल है' और 'चश्मे बद्दूर' जैसी फिल्मों को इस श्रेणी में रखा जा सकता है। कहने का सार है कि दोस्ती पर फिल्म बनने का सिलसिला आज भी जारी है। जिसे दर्शक पसंद भी खूब करते हैं। *

जानकारी / सुनील कुमार महला

अब कम सुनाई देती है
झींगुरों की झांय-झांय !

बारिश के मौसम में ग्रामीण या पेड़-पौधों से भरे इलाकों में सूरज ढलते ही झींगुरों की झांय-झांय सुनाई देने लगती है। कभी-कभी तो दिन के समय भी जब बारिश के कारण मौसम में ठंडक होती है, वातावरण झांय-झांय की आवाज से गूंजने लगता है। लेकिन शहरों में झींगुरों के बारे में देखने-सुनने को नहीं मिलता। आखिर इसके पीछे कारण क्या हैं?

कम होने के कारण: बढ़ती आबादी, औद्योगिकीकरण, शहरीकरण, तीव्र विकास, ग्लोबल वार्मिंग के कारण जंगलों का घनत्व कम होता जा रहा है। इंसानी शोर बढ़ने से ही झींगुरों की झांय-झांय पर लगातार खतरा मंडरा रहा है। इस संबंध में कुछ समय पहले एक शोध के नतीजे बीएमसी इकोलॉजी एंड इवोल्यूशन जर्नल में प्रकाशित हुए थे। इसके मुताबिक इंसानों के बढ़ते शोर से न सिर्फ झींगुरों का संगीत मंद पड़ा है, बल्कि उनका जीवन काल भी घट गया है।

ऐसे उत्पन्न होती है आवाज: नर झींगुर अपनी विशेष आवाज (झांय-झांय) के लिए जाने जाते हैं। यह ऐसी ध्वनि होती है, जो उनके पंखों के घर्षण से उत्पन्न होती है, जिसे स्ट्रिड्यूलेशन कहते हैं। दरअसल, इस तरह की ध्वनि के दो उद्देश्य होते हैं। एक, यह मादा झींगुरों को आकर्षित करता है और दूसरा इसके जरिए अन्य नर झींगुरों के बीच क्षेत्रों को निर्धारित करते हैं। ये मुख्य रूप से रात में सक्रिय रहते हैं।

पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण: झींगुर विभिन्न पारिस्थितिकी तंत्रों में मुख्य रूप से अपघटन, पोषक तत्वों के पुनर्चक्रण और कीट नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये सड़ने वाले कार्बनिक पदार्थों को खाते हैं, जिससे पोषक तत्वों को वापस मिट्टी में मिलाने में मदद मिलती है। दूसरे शब्दों में कहें तो झींगुर मृत पौधों और जानवरों के अवशेषों को खाते हैं, जिससे वे छोटे टुकड़ों में टूट जाते हैं और हमारे पर्यावरण में अपघटन की प्रक्रिया में मदद करते हैं। अपघटन की क्रिया से झींगुर विभिन्न पोषक तत्वों को मिट्टी में या इस धरती पर वापस छोड़ते हैं। *

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 3 अगस्त 2025

मित्रता दिवस आज

बाकी सारे रिश्ते तो हमें जन्म से मिलते हैं, एक दोस्ती का रिश्ता हम खुद ही बनाते हैं। स्वार्थ से परे, सुख-दुख पर हमेशा साए की तरह मौजूद रहने वाला यह रिश्ता हमारे लिए सबसे अधिक मायने रखता है। भले ही समय के साथ इसका स्वरूप बदल गया हो लेकिन आज भी यह उतना ही मूल्यवान है।

सबसे प्यारा-अनमोल दोस्ती का रिश्ता

कवर स्टोरी
अंशु सिंह

इस दुनिया में तरह-तरह के लोग रहते हैं। कुछ हमारे परिवार के सदस्य होते हैं, कुछ रिश्तेदार। कुछ हमसे प्रेम करते हैं तो कुछ हमसे ईर्ष्या करते हैं। कुछ ऐसे भी लोग होते हैं, जो बिना किसी फायदे के जरूरत पड़ने पर हमारी हर संभव मदद करने को सदैव तत्पर रहते हैं। हमें जीवन का सही मार्ग दिखाते हैं। दुख और मुश्किल समय में साथ खड़े होते हैं। उन्हें ही हम दोस्त कहते हैं। यह दोस्ती हमारे आपसी विश्वास और आस्था पर टिकी होती है।

स्वार्थ से परे आत्मीय रिश्ता: किसी ने कहा है, 'मुझे अपने मित्रों के बारे में बताइए, मैं आपके व्यक्तिव के बारे में बता दूंगा।' वास्तव में आपके दोस्त किस तरह के हैं, वह काफी हद तक इस बात पर निर्भर करता है कि आपका जीवन में क्या लक्ष्य है? आपका चरित्र कैसा है, आपकी सोच कैसी है?

सच में, धन-दौलत तो बहुत से लोग कमा लेते हैं। लेकिन दोस्ती जैसा सच्चा धन हर कोई नहीं कमा पाता। इस दुनिया में हर इंसान को एक ऐसे शख्स की जरूरत होती है, जिसे वह अपनी दिल की बातें बेझिझक बता सके। इसलिए दोस्त वो होता है, जिस पर आंख बंद कर भरोसा किया जा सके। दोस्तों के बीच स्वार्थ का कोई स्थान नहीं होता। न ही दोस्ती किसी की जाति, पंथ या धर्म देखती है।

पुराणों-इतिहास में मित्रता: हिंदू पौराणिक कथाओं में मित्रता के कई आदर्श उदाहरण देखे जा सकते हैं। जैसे, भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा, वानर राज सुग्रीव एवं भगवान श्रीराम, श्रीराम एवं विभीषण की मित्रता हमारे लिए आज भी आदर्श हैं। इतिहास पर नजर डालें तो 19वीं सदी के शुरुआती दौर में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक और मोहम्मद अली जिन्ना बहुत अच्छे दोस्त हुआ करते थे। वे अकसर घर-सार्वजनिक स्थलों पर मिलकर अंग्रेजों को देश से खदेड़ने के तरीकों पर चर्चा करते थे। मुगल

काल में छत्रपति शिवाजी और तानाजी भी बचपन के दोस्त थे। बाल्यकाल से ही दोनों मुगलों के अधीन किलों पर विजय पाने की रणनीति बनाया करते थे। जैसे-जैसे दोनों बड़े हुए, शिवाजी ने तानाजी की मदद से कई लड़ाइयां जीतीं और तानाजी उनके योद्धा सेनापति बन गए। इस तरह उन्होंने आजीवन अपनी दोस्ती की मिसाल कायम की। उनकी दोस्ती इतिहास में अमर हो गई।

होता है मार्गदर्शक : दोस्ती का संबंध ही ऐसा होता है कि वे सदा एक-दूसरे के लिए मौजूद रहते हैं। अपने दोस्त का हित करने के लिए व्यक्ति उसकी नाराजगी भी झेलने को तैयार रहता है। एक सच्चा दोस्त हमेशा अपने दोस्त का सबसे बड़ा शुभचिंतक होता है, उसका मार्गदर्शक होता है। हो सकता है कि किसी समय कुछ देर के लिए अपने मित्र की बातें या कार्य आपको उचित न लगें। लेकिन कभी न भूलें कि सच्चा मित्र हर स्थिति में आपका हित ही चाहता है। अगर वह कोई कार्य करने से आपको रोकता है तो उसमें जरूर आपका हित ही होगा। हो सकता है उसका मनोभाव आपको कुछ समय बाद समझ में आए।

मित्रता पर भी पड़ा तकनीकी प्रभाव: पिछले दो-तीन दशकों में विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक और तकनीकी कारणों से मित्रता में काफी बदलाव आया है। 20 वीं सदी तक दोस्ती खतों और आमने-सामने की मुलाकातों के जरिए कायम रहती थी। फिर टेलीफोन और बाद में इंटरनेट ने संपर्क बनाए रखना आसान बना दिया। इक्कीसवीं सदी में टेक्स्ट मैसेज, सोशल मीडिया और वीडियो कॉल के जरिए संवाद होने लगा। व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम और ट्विटर जैसे प्लेटफॉर्म ने तो दोस्ती बनाने और निभाने के तरीके को पूरी तरह बदल कर रख दिया। इनसे लोग दुनिया भर में एक-दूसरे से जुड़ सकते हैं। हालांकि इसमें ज्यादातर रिश्तों में गहराई नहीं होती। कह सकते हैं कि दोस्ती की परिभाषा व्यापक हो गई है। आज दोस्ती पारंपरिक बाधाओं को पार करते हुए अधिक विविध और समावेशी तरीकों से विकसित हो सकती है। बहरहाल, समय और दौर कोई भी हो, दोस्ती आज भी दो इंसानों के बीच सबसे प्यारा और अनमोल रिश्ता होता है। *

दोस्ती से बेहतर रहता है मानसिक स्वास्थ्य

पल्लवी प्रकाश
साइकोलॉजिस्ट -मोटिवेशनल कोच

अच्छे मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी दोस्ती का बहुत अधिक महत्व होता है। दोस्त, भावनाओं को व्यक्त करने, समस्याओं को साझा करने और सलाह लेने के लिए एक आत्मीय साथ प्रदान करता है। इस भावनात्मक समर्थन से तनाव, चिंता और उदासी सभी को कम किया जा सकता है। फ्रेंडशिप नेटवर्क का हिस्सा होने से व्यक्ति जुड़ाव और खुद को मूल्यवान महसूस करता है। यह अपनेपन की भावना मानसिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है और उसे अकेलेपन, अलगाव की भावनाओं से बचा सकती है। दोस्त नियमित व्यायाम, संतुलित आहार जैसी स्वस्थ आदतों को प्रोत्साहित करके और धूम्रपान या अत्यधिक शराब पीने जैसे हानिकारक आदतों से बचाकर व्यवहार को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकते हैं।

बॉलीवुड में दोस्ती

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में पिछले कुछ सालों में बहुत कुछ बदला है। एक ऐसी इंडस्ट्री जो अधिकतर बिजनेस बेनिफिट और स्वार्थ के लिए जानी जाती है। उस माहौल में भी कई स्टार्स की दोस्ती एक मिसाल की तरह है। जैसे, करीना-अमृता-मलाइका की एक दशक से भी ज्यादा पुरानी दोस्ती आज भी उतनी ही मजबूत और अटूट बनी हुई है। बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान, अनन्या पांडे और शनाया कपूर बचपन की दोस्त हैं। अनन्या, शनाया को सोल सिस्टर कहती हैं। अभिनेता रणबीर कपूर और निर्देशक अयान मुखर्जी का ब्रोमांस इंडस्ट्री में बेहद चर्चित है। सलमान खान और अजय देवगन भी वर्षों से पक्के दोस्त हैं। इस बारे में अजय कहते हैं, 'सलमान और मैं एक ही समय पर इंडस्ट्री में आए थे। पिछले 25 सालों से हमारी दोस्ती बरकरार है।'

सेल्फ मोटिवेशन
राजयोगी बीके निकुंज जी

हमेशा साथ रहता है हमारा सच्चा मित्र

यह सही है कि आज के दौर में सच्चा मित्र मिलना बहुत कठिन है। बिना किसी स्वार्थ के हमेशा साथ रहने वाला सच्चा मित्र। ऐसे ही सच्चे मित्र की तरह ईश्वर भी हमेशा हमारे साथ रहता है।

जरूरत के वक्त जो साथ दे, वही सच्चा मित्र होता है। यह पुरानी कहावत आज भी उतनी ही सच है, जितनी वर्षों पहले थी। जीवन के किसी न किसी मोड़ पर हम सभी ने इसे अनुभव किया है, कभी किसी अजनबी से, तो कभी उस शख्स से जिससे हमें कोई उम्मीद नहीं थी। लेकिन आज, जब हमारे जीवन में रिश्तों से ज्यादा 'कांटेक्ट्स' हैं, और मित्र बस केवल स्क्रीन पर दिखाई देने वाले नाम बनकर रह गए हैं, तब यह सवाल जरूरी हो गया है कि मित्रता वास्तव में हमारे लिए क्या मायने रखती है?

हर रिश्ते से ऊपर: जब आप आंखें बंद करके खुद से यह पूछते हैं कि मेरे जीवन में कौन वास्तव में मायने रखता है? तो आपका ध्यान शायद उस व्यक्ति की ओर नहीं जाता, जिसने आपको योग्य सलाह दी। बल्कि उस व्यक्ति को मन याद करता है, जो उस समय चुपचाप आपके कंधे पर हाथ रखकर पास बैठा रहा, जब आपकी दुनिया बिखर रही थी। जी हां! मित्रता वही रिश्ता है, जो न खून के रिश्ते से बंधा होता है, न शर्तों पर टिका होता है। एक सच्चा मित्र आपको वैसे ही स्वीकार करता है, जैसे आप हो न कि जैसे वह आपको देखना चाहता है। शायद इसलिए ही परिवार या रिश्तेदार से ऊपर हम हमेशा मित्रता को रखते हैं क्योंकि यही एक ऐसा रिश्ता है, जो हम अपनी पसंद से चुनते हैं।

बनता है आत्मिक संबंध: एक सच्चा मित्र शायद हमसे हमारी पसंद की बात हमेशा कह न पाए, लेकिन उसकी बात सीधे दिल तक पहुंचती है और इसीलिए उस व्यक्ति के साथ हमें एक आत्मीयता सी महसूस होती है, जो न किसी तर्क पर टिकी होती है, न किसी प्रयोजन पर। जब यह जुड़ाव दोनों ओर से होता है, जब आत्माएं एक-दूसरे को पहचानें और सम्मान दें, तब एक सुंदर संबंध का जन्म होता है। एक ऐसा संबंध, जो जीवन भर और शायद उसके बाद भी बना रहता है।

सच्ची नहीं आभासी मित्रता: आज बदलते युग में मित्रता का अर्थ बदलता जा रहा है। आज हम सहकर्मी, सहपाठी, जिम के साथी या सोशल मीडिया फॉलोअर्स को भी मित्र कह देते हैं। लेकिन साथ रहना और दिल से जुड़ना इन दोनों में बड़ा फर्क है। फेसबुक फ्रेंड होना, इंस्टाग्राम पर जन्मदिन की बधाई देना, ये सब असली मित्रता नहीं है। सच्ची मित्रता वहां होती है, जहां भावनात्मक समानता होती है, दिल से दिल का रिश्ता होता है, जहां न अहं होता है और न किसी भी प्रकार की अपेक्षा।

सवाल उठता है कि तो कौन होता है सच्चा मित्र? एक ऐसा व्यक्ति जिसके समक्ष आप बिना किसी मुखौटे के अपने मूल रूप में रह सकें, बिना कुछ छुपाए, बिना कुछ साबित किए। जो आपके दोषों को जानकर भी आपका साथ न छोड़े। जो शब्दों से नहीं, मौन से भी दिल तक पहुंच जाए और एक हल्के से स्पर्श या दृष्टि से आपको यह जता दे 'मैं यहीं हूं तुम्हारे साथ।' आज के इस तेज रफ्तार जीवन में, सबसे दुर्लभ बात है, उपलब्धता। वर्तमान काल में ऐसा कोई है, जो बिना विचलित हुए बस आपकी बात सुने? है कोई ऐसा? आजकल तो सभी से ज्यादातर, 'थोड़ी देर बाद बात करते हैं', फिर से कॉल करता हूं', 'थोड़ा बिजी हूं' यही सब सुनने को मिलता है, जो भावनात्मक दूरी की नई भाषा बन चुके हैं। इसीलिए इस बात से कोई इंकार नहीं करेगा कि आज हम एक ऐसे दौर में जी रहे हैं, जहां रिश्ते भी सुविधाओं के अनुसार चलते हैं। जब जरूरत हो, तब याद किया जाता है। जब हम किसी के काम के नहीं रहते, तो भुला दिए जाते हैं।

ईश्वर होता है हमारा परममित्र: आज के समय में ऐसा मित्र मिलना मुश्किल है, जो बिना किसी अपेक्षा के, बिना किसी शर्त के साथ दे। मैंने अपने अनुभव में पाया कि सबसे स्थायी, सबसे निःस्वार्थ मित्रता मुझे इंसानों में नहीं, बल्कि किसी और में मिली, सर्व शक्तिमान परमात्मा में। जी हां, उस दिव्य सत्ता में जिसे आप भगवान, ईश्वर, खुदा, सर्वोच्च आत्मा या सिर्फ मेरा सबसे प्यारा मित्र कह सकते हैं। हम प्रार्थना में अकसर उसे पिता, माता, गुरु या मार्गदर्शक कह कर पुकारते हैं। लेकिन क्या कभी आपने उससे एक मित्र की तरह बात की है? बिना किसी औपचारिकता, बिना किसी रीति-नीति के, बस सीधे दिल से? एक बार कोशिश कीजिए। जैसे अपने सबसे करीबी दोस्त से आप बात करते हैं, वैसे ही उनसे भी करिए, बिना कोई डर, बिना संकोच। फिर देखना आप अंदर ही अंदर महसूस करेंगे एक ऐसी शांति, ऐसा सुकून, जो किसी मानवीय रिश्ते में नहीं मिलता। उसका प्रेम प्रदर्शन पर नहीं अपितु उपस्थिति पर आधारित है। बस उसे दिल से याद कीजिए और वो आपकी हर धड़कन में मौजूद मिलेगा। *

लाइफस्टाइल
शिखर चंद जैन

जिंदगी में अच्छे दोस्तों की अहमियत बहुत ज्यादा है, क्योंकि हम जो कुछ भी हैं अपने आस-पास के लोगों, अपनी संगत और माहौल की वजह से ही हैं। हमारे सपने, लक्ष्य, सोचने और काम करने का तरीका, रहन-सहन और जीने का अंदाज बहुत कुछ उन्हीं लोगों से प्रभावित होता है, जिनके साथ हम अपना ज्यादातर वक्त बिताते हैं। इसे मनोविज्ञानी लॉ ऑफ अट्रैक्शन कहते हैं। अमेरिकी व्यवसायी जिम रॉन ने कहा है कि आप उन 5 लोगों का एवरेज होते हैं, जिनके साथ आप हमेशा रहते हैं। इसलिए दोस्त बनाने में बहुत सावधानी बरतनी चाहिए।

जो देते हैं स्मार्ट सोशल सपोर्ट: हम जो कुछ करते हैं, उसमें प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से बहुत सारे लोगों का इंवॉल्वमेंट होता है। पर्सनल लाइफ हो या प्रोफेशनल लाइफ, अपने आर्थिक, मानसिक, सामाजिक और शारीरिक हितों के लिए हमें कुछ लोगों पर निर्भर होना पड़ता है, अच्छे दोस्त यह जरूरत पूरी करते हैं।

अच्छे दोस्त मिलना सौभाग्य की बात है। इससे जिंदगी गुलजार हो जाती है। इसलिए किसी को अपना घनिष्ठ दोस्त बनाने से पहले उसमें मौजूद कुछ क्वालिटीज के बारे में जरूर जान लेना चाहिए।

जिंदगी में बहुत जरूरी हैं ऐसे दोस्त

जो ज्यादा समझदार हों: महान दार्शनिक कन्फ्यूशियस ने कहा था, 'अगर आप अपने इनर सर्किल में सबसे स्मार्ट या बुद्धिमान व्यक्ति हैं तो आप एक गलत सर्किल में रह रहे हैं।' कहने का तात्पर्य यह है कि आपको खुद से ज्यादा सफल, सक्षम, समझदार और प्रतिष्ठित दोस्तों के बीच रहना चाहिए। इसलिए आप ऐसे लोगों को दोस्ती के लिए चुनें, जो आपकी सफलता और मानसिक सुकून में आपके साथी बन सकें।

जिनका साथ अच्छा लगे: मानसिक बीमारियों के प्रबल वर्तमान दौर में मन का सुकून बड़ी दुर्लभ चीज हो गई है। अधिकांश इंसान दुश्चिंता और अवसाद से घिरे रहते हैं। ऐसे में जिन लोगों के बीच रहकर आपको मानसिक सुकून मिलता हो, जिनके साथ हंसी-मजाक का दौर चलता हो, उन्हें अपनी जिंदगी का हिस्सा जरूर बनाएं।

जिनकी उपस्थिति में सहज महसूस करें: ऐसे दोस्त जिनकी उपस्थिति में आप सहज महसूस करें और अपने मन की बातें बिना लाग लपेट के खुलकर कह सकें, उनको साथ रखना चाहिए। ये ऐसे लोग होते हैं, जिनके कुछ कहने पर आपका ईगो हर्ट नहीं होता और आप कुछ कह दें तो ये भी दिल पर नहीं लेते। ये शॉक एब्जॉर्बर करने वाले लोग, जिनकी आपको जरूरत होती है।

जो बुरे वक्त में साथ खड़े रहते हों: हर व्यक्ति की जिंदगी में दो चार दोस्त ऐसे जरूर होने चाहिए, जो बुरे वक्त में उसके साथ खड़े रह सकें। बीमारी की स्थिति में सही डॉक्टर या अस्पताल तक पहुंचाना और तीमारदारी, दुख की घड़ी में

संबल प्रदान करने वाला और आर्थिक मुसीबत के वक्त पैसों की मदद करने वाले लोग निहायत जरूरी हैं। आपको भी ऐसे लोगों से अपने रिश्ते प्रगाढ़ रखने चाहिए।

जो आत्मविश्वास बढ़ाते हों: आप किसी नए प्रोजेक्ट पर काम करना चाहते हैं, कोई नया बिजनेस करना चाहते हैं या चैलेंजिंग जॉब ज्वाइन करना चाहते हैं तो शुरू-शुरू में हिचक रहती है। ऐसे में आप असफल लोगों से राय मांगेंगे तो वे आप को हतोत्साहित कर देंगे। वहीं सकारात्मक स्वभाव के दोस्त आपका आत्मविश्वास बढ़ाएंगे, पॉजिटिव सजेशन देंगे और आपको प्रेरणा देंगे। ऐसे लोगों से मेल मिलाप अवश्य रखें।

जो आपसे ईर्ष्या ना करते हों: कुछ लोग अपने इर्द-गिर्द वालों की तरक्की, खुशहाली और सुकून नहीं देख सकते। ये ईर्ष्यालु होते हैं और मौका मिलते ही टांग खींचते हैं। ऐसे लोगों से दोस्ती करने से दूर रहें। जो लोग आपकी सफलता को सराहते हैं और आपसे प्रेरणा या सलाह लेना चाहते हैं, उन्हें अवश्य अपने सर्किल में रखें। इनसे आप जीवन में कभी खुद को अकेला महसूस नहीं करेंगे। *

दोहे / राजश्री राठी

बरखा नर्तन करे

झंकृत वीणा हृदय की छेड़ रही अनुराग।
बरखा नर्तन यूं करे जैसे पद में राग।।
नैन बाट जोहत रहे भर-भर कर मनुहार।
बरखा का स्वागत करे हृदय कुसुम बन हार।।
बरखा छम-छम यूं करे ज्यूं पायल झनकार।
दुल्हन रूप धरा लिए सज सोलह सिंगार।।
गरजे घन-घन मेघ जब करते बंद किवाड़।
बैरन सी बरखा हुई मन को रही बिगाड़।।
बादरवा घनन गरजे मन मोरा घबराय।
पिया रहे परदेस में नैन नेह बरसाय।।
छम-छम बरखा जो हुई मन मे भरी उमंग।
आसमान में उड़ रही जैसे कोई पतंग।।

कहानी
विनय कुमार पाठक

राखी का तोहफा

बेईमानों से भरी इस दुनिया में भी बहुत से ऐसे ईमानदार हैं, जिनका मन विपन्नता में भी किसी के पड़े बैग में ढेर सारे पैसे देखकर भी नहीं डगमगाता। ऐसे ही एक कबाड़ बटोरने वाले गरीब इंसान की दिल को छूती कहानी।

एआई इमेज

राजेंद्र एक कबाड़ बीनने वाला है, वह रोज की तरह रेलवे स्टेशन पर कचरे के ढेर में अपने काम की चीजें तलाश रहा था। उसकी नजरें बेहद सतर्क थीं-प्लास्टिक की बोतलें, टीन के डिब्बे और अपने काम की अन्य चीजे, उसकी निगाहें तलाश रही थीं। इन्हें वह कबाड़ी को बेचकर कुछ पैसे कमा लेता था। उसने अपनी बोरी में ऐसी कई चीजें भर रखी थीं, लेकिन वह कुछ और सामान बटोरना चाह रहा था।

तभी राजेंद्र की नजर दूर पड़े एक भूरे रंग के हैंडबैग पर पड़ी। 'शायद किसी अमीर आदमी ने यूं ही फेंक दिया होगा।' राजेंद्र ने सोचा। उसे मालूम है, जो चीजें अमीरों के लिए बेकार होती हैं, वही किसी गरीब के लिए बहुत काम की होती हैं। उसे पहले भी कूड़े से एक जोड़ी अच्छे जूते मिले थे, जिसे वह खुद इस्तेमाल कर रहा था। यह बैग उसे कुछ ऐसा ही अवसर लग रहा था।

तेजी से चलकर राजेंद्र उस बैग तक पहुंचा। सौभाग्य से आस-पास कोई और रद्दी बीनने वाला नहीं था। बैग अच्छी हालत में था। बस उसका हैंडल टूटा हुआ था, जिसे कोई मोची आसानी से ठीक कर सकता था। राजेंद्र ने इधर-उधर देखा कि कोई देख तो नहीं रहा, फिर बैग के बीच वाला चेंबर खोला। अंदर देखा तो उसके होश उड़ गए-उसमें पांच सौ के नोटों की एक मोटी गड्डी थी। साथ ही एक क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड भी रखा दिखा। यह अप्रत्याशित दौलत देखकर राजेंद्र के मन में खुशी की लहर दौड़ गई। लेकिन दूसरे ही पल उसे अहसास हुआ कि कार्ड उसके किसी काम के नहीं हैं। राजेंद्र ने सुना था कि किसी और के कार्ड इस्तेमाल करने पर जेल हो सकती है। हो सकता है, यहां कहीं लगा सीसीटीवी कैमरा यह सब कवर कर रहा हो। उसका बेवजह फंसने का कोई इरादा नहीं था। एकाएक राजेंद्र के दिमाग में आया, हो सकता है इस बैग के मालिक को पैसों की बहुत जरूरत हो, दवाई या किसी और जरूरी काम के लिए। अपने मन के बोझ को दूर करने के लिए वह सीधे रेलवे स्टेशन जा पहुंचा। स्टेशन मास्टर के केबिन में जाकर बोला, 'साहब, यह बैग मुझे रेलवे ट्रैक के पास मिला था, जब मैं कबाड़ बीन रहा था।'

'ठीक है, जाकर उधर एक किनारे बैठ जाओ।' स्टेशन मास्टर ने कहा। वहां रूम में एक व्यक्ति बैठा हुआ था। वह चिंतित दिख रहा था।

'मिस्टर अजय, शायद यही वह बैग है, जिसकी आप तलाश कर रहे थे।' स्टेशन मास्टर ने उस व्यक्ति से पूछा।

'संभव है, मेरी कुलीग मीनाक्षी ने बताया था कि उसका ब्राउन बैग खो गया है। इसका डिटेल इससे मेल खाता है। उसमें आईडेंटिटी कार्ड, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड और आज की सैलरी थी।' अजय ने जवाब दिया और राजेंद्र को थोड़ा संदेह की नजर से देखा।

'हां, इसमें पांच सौ के नोटों की मोटी गड्डी और दो कार्ड हैं।' राजेंद्र ने बताया।

'हमें इसकी पुष्टि करनी होगी।' स्टेशन मास्टर ने कहा और बैग खोलकर देखा। अंदर मीनाक्षी माथुर का ऑफिस पहचान पत्र और दोनों कार्ड मौजूद थे। नाम कार्ड पर स्पष्ट लिखा हुआ था।

'अजय जी, प्लीज मीनाक्षी जी को तुरंत फोन करें और बताएं कि उनका बैग मिल गया है, मेरे पास सुरक्षित है। आधार, वोटर कार्ड या पैन कार्ड लेकर आएं और सत्यापन करवा लें।' स्टेशन मास्टर ने कहा।

अजय ने तुरंत मीनाक्षी को कॉल किया। वह पहले से ही बहुत परेशान थी। कॉल उठाते ही बोली, 'मैं अभी आ रही हूं। आधे घंटे में पहुंच जाऊंगी। प्लीज उस सज्जन को रोकिए, जिन्होंने बैग लौटाया है। मैं उन्हें धन्यवाद देना चाहूंगी। मेरे लिए यह पैसा बहुत जरूरी है।'

'सर, अब मैं जा सकता हूं?' राजेंद्र ने पूछा।

'हां, आप जा सकते हैं। आपकी ईमानदारी सराहनीय है। रेलवे प्रशासन को मैं आपके लिए पुरस्कार की सिफारिश करूंगा। आप अपना नाम और पता नोट करवा दीजिए।' स्टेशन मास्टर ने कहा।

'भाई साहब, जरा रुक जाइए। बैग की मालकिन आने ही वाली हैं, वो आपको व्यक्तिगत रूप से धन्यवाद देना चाहती हैं।' अजय ने आग्रहपूर्वक कहा।

'ठीक है।' राजेंद्र ने कहा और अपना बोरा किनारे रखकर बैठ गया। करीब पैंतालीस-पचास मिनट बाद मीनाक्षी पहुंची, थोड़ी हांफती हुई।

'माफ कीजिए, ट्रैफिक बहुत था, इसलिए देर हो गई।' मीनाक्षी ने कहा। फिर अपना आधार कार्ड देकर प्रक्रिया पूरी की। स्टेशन मास्टर ने उसे बैग सौंप दिया।

'भाई साहब, मैं आपकी ईमानदारी के लिए आपको दिल से धन्यवाद देना चाहती हूं। आज मेरी सैलरी मिली थी, वह कुछ ही घंटों में गुम हो गई। भीड़ में ट्रेन से उतरते समय हैंडल टूट गया था। ढूंढने की बहुत कोशिश की, लेकिन नहीं मिला। मैं आपको कुछ देना चाहती हूं, इसलिए देर हो गई। क्या आपको पता है कि आज रक्षा बंधन है?' मीनाक्षी ने अपने पर्स से एक राखी निकाली और मुस्कुरा दी। राजेंद्र ने बिना झिझक अपना हाथ बढ़ा दिया। मीनाक्षी ने पूरे स्नेह से उसे राखी बांधी। राजेंद्र ने अपनी फटी हुई जेब से एक छोटा पर्स निकाला। उसमें केवल दस रुपए का एक नोट था। उसने उस नोट को निकाला और कहा, 'मेरे पास बस यही है।' 'भैया, आपको कुछ भी देने की जरूरत नहीं है। आपकी ईमानदारी ही मेरे लिए सबसे बड़ा तोहफा है।' मीनाक्षी ने कहा और अपने बैग की ओर इशारा किया, आगे बोली, 'मैं मिठाई नहीं ला पाई तो कृपया ये पैसे रख लीजिए। अपने लिए मिठाई खरीद लीजिएगा।' उसने बैग से पांच सौ के दो नोट निकाले और राजेंद्र को सौंप दिए।

राजेंद्र थोड़ा झिझका, लेकिन स्टेशन मास्टर और अजय ने उसे कहा, 'यह पैसा स्वेच्छा से दे रही हैं, इसे लेने में कोई बुराई नहीं है।' अंततः राजेंद्र ने पैसे ले लिए और कमरे से बाहर निकल गया।

'आज भी ऐसे नेक लोग हैं दुनिया में।' मीनाक्षी ने अजय से कहा। वह राजेंद्र को जाते हुए तब तक देखती रही, जब तक नजरों से ओझल नहीं हो गया। *